राजभाषा स्मारिका

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक

19 मार्च 2020

भारत मौसम विज्ञान विभाग

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

मौसम भवन, लोदी रोड

नई दिल्ली -110003

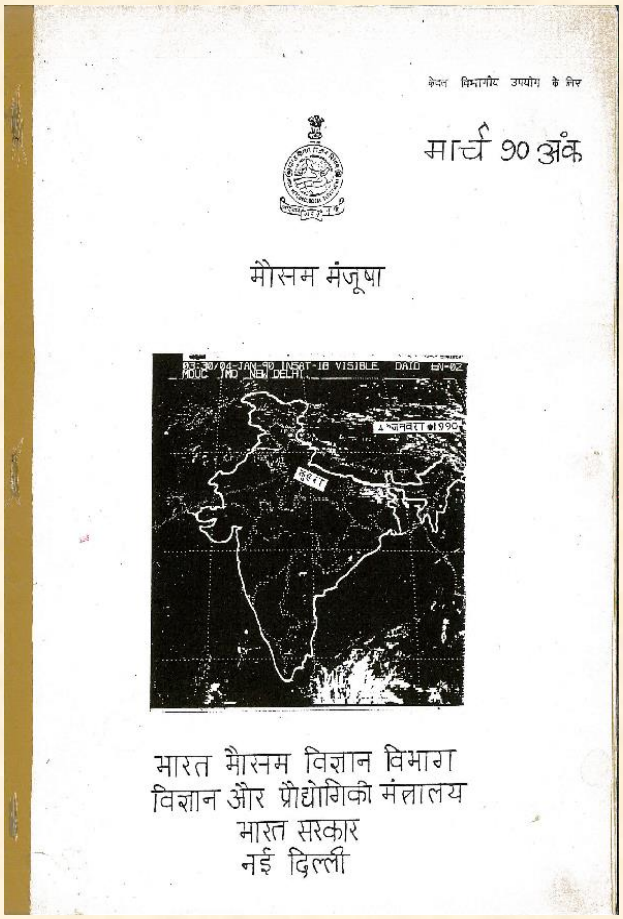
केवल विभागीय उपयोग के लिए
मार्च 90 अंक
मौसम मंजूषा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली

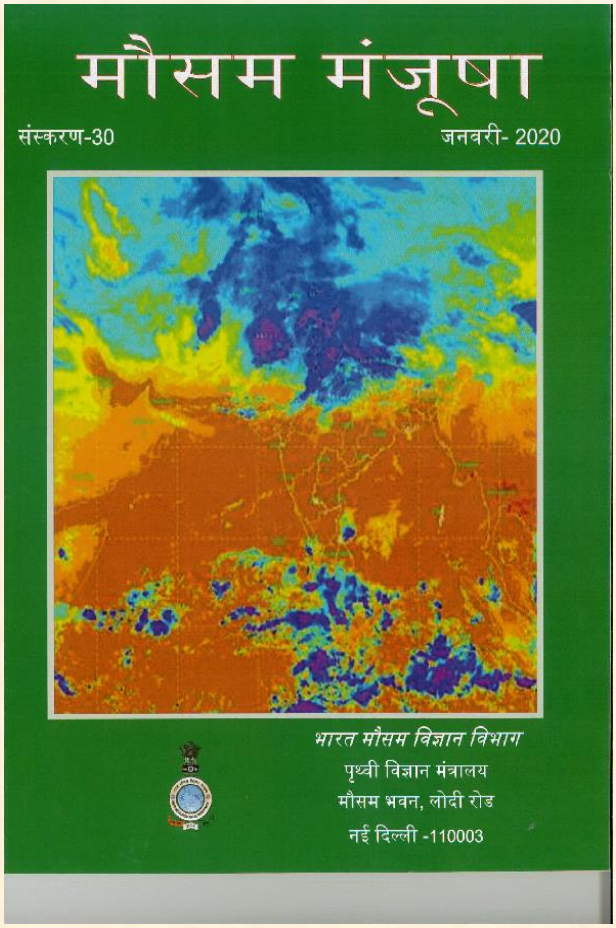
मौसम मंजूषा
संस्करण-30
जनवरी- 2020
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली -110003

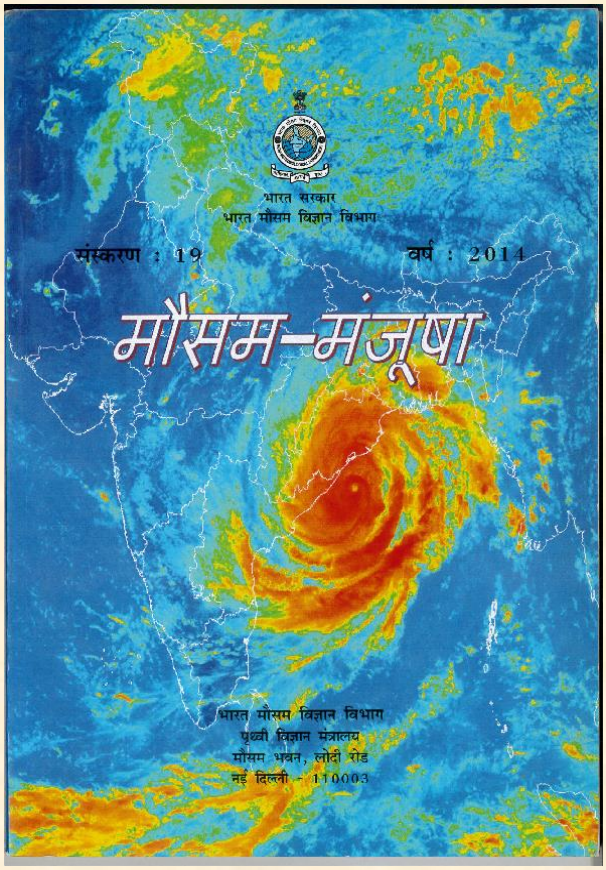
भारत सरकार
भारत मौसम विज्ञान विभाग
संस्करण : 19
वर्ष : 2014
मौसम-मंजूषा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली - 110003

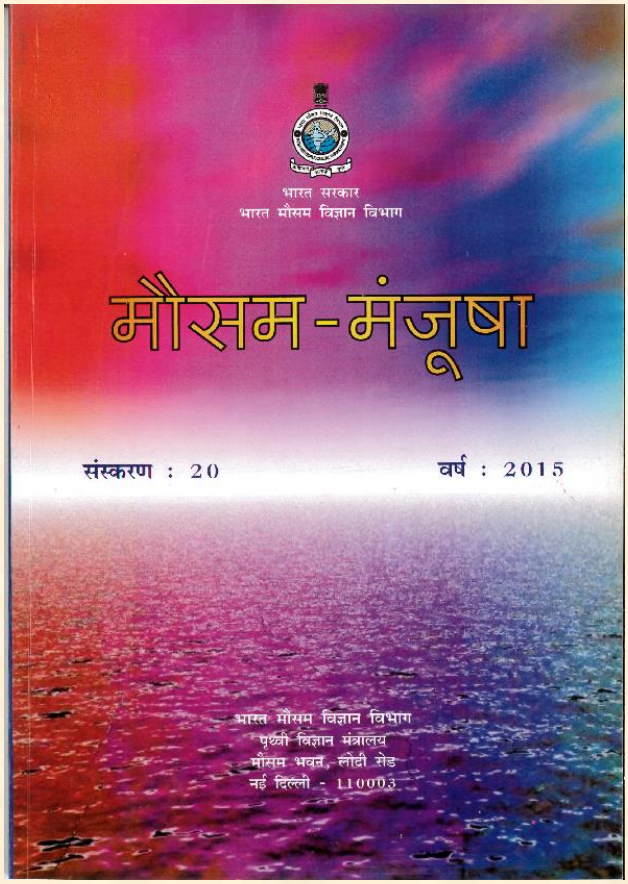
भारत सरकार
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम-मंजूषा
संस्करण : 20
वर्ष : 2015
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम भवन, लोदी रोड
नई दिल्ली - 110003

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन

राजभाषा स्मारिका

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक
के उपलक्ष्य में आयोजित
राजभाषा सम्मेलन

19 मार्च 2020

भारत मौसम विज्ञान विभाग
(पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय)
लोदी रोड, नई दिल्ली-110003

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक के उपलक्ष्य में आयोजित राजभाषा सम्मेलन

प्रमुख संरक्षक

डॉ. मृत्युंजय महापात्र , मौसम विज्ञान के महानिदेशक

संरक्षक

श्री वाई.के रेड्डी, उपमहानिदेशक (प्रशासन)

महानिदेशक महोदय द्वारा गठित आयोजन समिति

अध्यक्ष

डॉ. देवेंद्र प्रधान, वैज्ञानिक- 'जी'

सदस्य

डॉ. नरेन्द्र निगम, वैज्ञानिक- 'एफ'

श्रीमती रंजू मदान, वैज्ञानिक- 'एफ'

सुश्री रेवा शर्मा, उपनिदेशक (राजभाषा)

सदस्य सचिव

श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (राजभाषा)

संकलन एवं संपादन

रेवा शर्मा

सरिता जोशी

सहयोग

कल्पना श्रीवास्तव, बीरेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार, उमाशंकर, प्रवीण कुमार राणा

आमुख

भारत मौसम विज्ञान विभाग (मुख्यालय) की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक मार्च 2020 में आयोजित होने जा रही है। राजभाषा विभाग के आदेशानुसार भारत मौसम विज्ञान विभाग में 1976 में विधिवत रूप से राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया। नियमानुसार विभाग के प्रमुख को समिति के अध्यक्ष के रूप में एवं सभी अनुभागों/प्रभागों के प्रभारी अधिकारियों को समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में समिति ने विभाग में राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार और हिंदी की उत्तरोतर प्रगति में भरपूर योगदान दिया। समिति अपनी गरिमामयी 150वीं बैठक के पड़ाव पर आ पहुँची है।

मेरे लिए वास्तव में यह बहुत गर्व की बात है कि 1976 में विभाग के तत्कालीन महानिदेशक डॉ. वाई. पी. राव जी के कार्यकाल में राजभाषा से जुड़े समस्त कार्य आरंभ किए गए। राजभाषा की तिमाही बैठकें, हिंदी कार्यशालाएं,'मौसम मंजूषा' का प्रकाशन या फिर हिंदी संगोष्ठियाँ... इन सभी कार्यक्षेत्रों में विभाग ने निरंतर प्रगति की है। विभाग में अनुवाद और राजभाषा कार्यान्वयन का प्रचार-प्रसार हुआ। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे विभाग के तत्कालीन सभी महानिदेशकों और राजभाषा से जुड़े अधिकारियों ने समय के साथ-साथ विभाग में राजभाषा की प्रगति को आगे बढ़ाया है। मेरा भी भरसक प्रयास यही होगा कि उस धरोहर को मैं और समृद्ध करूँ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक के अवसर पर 'स्मारिका' भी पहली बार प्रकाशित की जा रही है जिसमें मुख्यालय और उपकार्यालयों द्वारा हिंदी में हो रही प्रगति का विवरण दिया गया है। सत्तर के दशक से लेकर अब तक 2020 तक आते आते भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जिस प्रकार मौसम विज्ञान के क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए उसी प्रकार राजभाषा हिंदी के कार्यक्षेत्र में भी अनेक कीर्तिमान स्थापित किए। हिंदी के विभिन्न प्रकाशनों में मौसम विभाग से जुड़ा साहित्य संग्रहित हो रहा है। मुझे खुशी है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रसार-प्रचार के लिए सदैव सजग रहा है। विभाग सभी अधिकारियों को राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हुए 'वार्षिक कार्यक्रम' में निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है।

मुझे विश्वास है कि सभी उपकार्यालय नई ऊर्जा, नया संदेश, नई प्रेरणा लेकर विभाग में हिंदी के प्रचार-प्रसार में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र
मौसम विज्ञान के महानिदेशक
भारत मौसम विज्ञान विभाग

राजभाषा के पथ प्रदर्शक

❖ *रेवा शर्मा*

भारत मौसम विज्ञान विभाग (मुख्यालय) की 150वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर उन सभी महानुभावों का स्मरण हो आना सहज और स्वाभाविक है जिनके पद चिह्नों पर चल कर आज भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में नए कीर्तिमान स्थापित किए। डॉ. वाई. पी. राव, डॉ. पी. के. दास, डॉ. एस. के. दास, डॉ. आर. पी. सरकार, डॉ. शशिमोहन कुलश्रेष्ठ, डॉ. एन सेन रॉय,डॉ. आर. आर. केलकर, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, डॉ. अजित त्यागी, डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़, डॉ. के. जे. रमेश राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष रहे जिनकी अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की जाती रहीं । डॉ. आर. सी. भाटिया एवं श्री बी. लाल ने भी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों की अध्यक्षता की। वर्तमान में महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष हैं। विभाग के सभी अनुभागों/प्रभागों के प्रमुख इस समिति के सदस्य हैं।

आज यदि हम भारत मौसम विज्ञान विभाग में हिंदी रूपी वृक्ष को फलता फूलता, बढ़ता देख रहे हैं तो इस वृक्ष की जड़ों को जल से सींचने वाले तत्कालीन महानिदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी ही थे। भारत मौसम विज्ञान विभाग में भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार, राजभाषा नियमों, राजभाषा अधिनियम के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 27.02.1976 को हिंदी अधिकारी श्री ए.एस. वर्मा जी ने कार्यभार संभाला। तत्कालीन महानिदेशक डॉ. वाई. पी. राव के मार्गदर्शन में अनेक कार्य आरंभ किए गए 1980 में 'मौसम विज्ञान शब्दावली' का पहला संस्करण श्री पी. के. दास के निर्देशन में प्रकाशित किया गया ताकि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौसम विज्ञान से जुड़े वैज्ञानिक एवं तकनीकी किस्म के कार्य भी हिंदी में आसानी से कर सकें। विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन एवं बैठकों, हिंदी कार्यशाला, हिंदी दिवस हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा का आयोजन आरंभ हुआ। विभाग के मैन्युअलों का हिंदी अनुवाद केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो से करवा कर भाषा और विषय की दृष्टि से पुनरीक्षण विभाग के ही अधिकारियों द्वारा करवाया गया। वैज्ञानिक विषयों पर हिंदी में व्याख्यान देने की परम्परा आरंभ की गई। वैज्ञानिक विषयों पर हिंदी में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाने लगी। डॉ. एस.एम. कुलश्रेष्ठ तत्कालीन निदेशक, रेडियो मौसम विज्ञान, की अध्यक्षता में समिति गठित की गई और अप्रैल 1980 में 'मौसम विज्ञान शब्दावली' का पहला संस्करण निकाला गया। इस शब्दावली में वैज्ञानिक और तकनीकी किस्म के शब्दों की संख्या 1632 थी। जैसे-जैसे ज्ञान विज्ञान पंख पसारने लगा वैसे वैसे नए शब्द और अर्थ भी अस्तित्व में आने लगे। फिर 1990 में तत्कालीन महानिदेशक डॉ. शशिमोहन कुलश्रेष्ठ जी के मार्गदर्शन में 'मौसम विज्ञान शब्दावली' का दूसरा संस्करण निकाला गया और उसके उपरांत 2005 में तीसरा संस्करण । इसमें शब्दों की संख्या 5000 के लगभग थी। इस कार्य के लिए समय-समय पर गठित की गई समितियों का विवरण 'स्मारिका' के अन्य लेख में दिया गया है। हिंदी अधिकारी श्री ए. एस. वर्मा जी के प्रतिनियुक्ति पर दूरसंचार विभाग जाने पर 1983 में हिंदी अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर आए प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. वीरेन्द्र सक्सेना जी ने 1984 में विभागीय हिंदी

गृह पत्रिका 'मौसम मंजूषा' का प्रकाशन तत्कालीन महानिदेशक डॉ. एस. के. दास के मार्गदर्शन में आरंभ किया । डॉ. एस. के. दास, तत्कालीन महानिदेशक से किया गया साक्षात्कार भी पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

अप्रैल 1991 में श्री ए.एस. वर्मा जी की सेवानिवृत्ति के पश्चात सितंबर 1992 में श्री अहिबरन लाल जी ने कार्यभार ग्रहण किया । श्री लाल ने 'मौसम विज्ञान शब्दावली' के तीसरे संस्करण के साथ-साथ 'राजभाषा नीति सिंहावलोकन' के दो संस्करण निकाले जिनमें द्विभाषी फार्म, शब्दावली के अलावा राजभाषा अधिनियम 1963 (यथासंशोधित 1967 और राजभाषा नियम 1976 को भी समाहित किया गया। जुलाई 2009 में श्री लाल की सेवानिवृत्ति के उपरांत मेरा प्रयास यही रहा कि वरिष्ठ अधिकारियों ने धरोहर स्वरूप कार्य की जो बागड़ोर मुझे सौंपी उसे और समृद्ध कर सकूँ।

मेटनेट इन्ट्रा पोर्टल पर राजभाषा पटल हिंदी लिंक दिया गया जो सूचना सेवा प्रभाग के अधिकारियों के सहयोग से यह सम्पन्न हो सका है। राजभाषा पटल में हिंदी के सभी प्रकाशन, संगोष्ठी की प्रस्तुतियाँ, द्विभाषी प्रपत्र, महत्वपूर्ण दस्तावेज़, संसदीय राजभाषा समिति की निरीक्षण प्रश्नावली आदि डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि विभाग के कश्मीर से कन्या कुमारी तक तथा ओखा से सुदूर मोहनबाड़ी स्थित कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी राजभाषा से जुड़े हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग में राजभाषा नीति के प्रचार-प्रसार के स्वरूप में भी नए परिवर्तन आए। क्योंकि राजभाषा हिंदी अब सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़कर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। राजभाषा का डिजिटल रूप भी सामने आया। 'मौसम विज्ञान शब्दावली का लिंक राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय की वैबसाइट पर उपलब्ध कराया गया। 'राजभाषा नीति सिंहावलोकन' का तीसरा संस्करण 2019 में डिजिटल रूप में मेटनेट पर अपलोड किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक के उपलक्ष्य में आयोजित इस सम्मेलन के आयोजन के लिए डॉ. देवेंद्र प्रधान, वैज्ञानिक 'जी' की अध्यक्षता में गठित समिति का भी ह्दय की गहराइयों से धन्यवाद करती हूँ। डॉ. देवेन्द्र प्रधान ने विभाग में हिंदी के काम को निश्चय ही गति प्रदान की है, सभी को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पूर्व अधिकारियों ने विभाग में राजभाषा की एक सुदृढ़ नींव रखी और हमें एक पुख्ता ज़मीन दी जिस पर हम उस कार्य को और आगे बढ़ाने का प्रयास कर सके, उनके दिखाए मार्ग पर चल सके, उन सभी अधिकारियों का बहुत बहुत आभार ।

"राजभाषा हिंदी का रथ"

❖ *सरिता जोशी*

हमारे देश में भाषाओं और संस्कृति की विविधता है और यही विविधता भारत का सौंदर्य है। भाषा संपर्क का साधन होती है और निस्संदेह हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो पूरे देश में सबसे अधिक बोली और समझी जाती है। इसी के मद्देनजर हमारे संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग में राजभाषा हिंदी रूपी रथ को आज जो गति मिलती दिखती है उसका श्रेय राजभाषा हिंदी से जुड़े हमारे पूर्व अधिकारियों को तो जाता ही है जिन्होंने विभाग में राजभाषा हिंदी के कार्यों की सुदृढ नींव रखी, साथ ही विशेष रूप से विभाग के सभी पूर्व प्रमुखों / महानिदेशकों को भी जाता है जिनकी छत्रछाया में इस रथ को गति मिली। आज विभाग के मुख्यालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में महानिदेशक महोदय और राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों के योगदान के ही कारण हिंदी के कार्य में वृद्धि हो पा रही है, सभी कार्मिक रूचि ले रहे हैं ... तो वहीं हमारे सभी उपकार्यालयों के प्रमुख भी राजभाषा हिंदी की उत्तरोतर वृद्धि में अपना भरपूर सहयोग दे रहे हैं।

इस सबका ही यह परिणाम है कि विभागीय हिंदी गृह पत्रिका 'मौसम-मंजूषा' को वर्ष 2015 में माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा 'राजभाषा कीर्ति सम्मान' से सम्मानित किया गया जो विभाग के प्रत्येक कार्मिक के लिए अत्यंत गर्व की बात है। साथ ही अब तक 05 कार्मिकों को 'मौसम-मंजूषा' में प्रकाशित लेखों के लिए भी माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा 'राजभाषा गौरव सम्मान' से सम्मानित किया जा चुका है।

विभाग के 05 उपकार्यालयों द्वारा अपने स्तर पर भी हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की जा रही हैं और दो उपकार्यालयों द्वारा हिंदी पत्रिकाओं के प्रकाशन आरंभ करने का कार्य भी प्रगति पर है। इससे स्पष्ट परिलक्षित होता है कि विभाग में हिंदी में लिखने वालों की कमी नहीं है और कार्मिक रूचिपूर्वक इसमें अपने स्वरचित मौलिक लेख प्रस्तुत कर रहे हैं। विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली अखिल भारतीय विभागीय हिंदी संगोष्ठियों का सफल आयोजन भी यही दर्शाता है।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा भी विभाग के विभिन्न कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है और समिति ने हमारे अधिकांश कार्यालयों के कार्य को संतोषजनक पाया है। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का विभाग पूरा प्रयास कर रहा है। विभाग में अनेक कार्यालय ऐसे हैं जहां राजभाषा हिंदी से जुड़े पद नहीं हैं। ऐसे सभी कार्यालयों के उन कार्मिकों का भी शुक्रिया करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है जो अपने कार्य के साथ हिंदी का भी कार्यभार देख रहे हैं और सरकार की राजभाषा नीति को कार्यान्वित करने में अपना सहयोग दे रहे हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 150वीं बैठक को यादगार बनाने और विभाग में हुई राजभाषा हिंदी की प्रगति के विषय में यह स्मारिका निकालने तथा इस अवसर पर राजभाषा सम्मेलन आयोजित करने का निदेश देने के लिए महानिदेशक महोदय, डॉ. मृत्युंजय महापात्र जी का बहुत बहुत आभार।

इस राजभाषा हिंदी रूपी रथ ने आज जो रफ्तार पकड़ी है, उसका श्रेय रथ के सभी पहियों को जाता है जो साथ-साथ एक रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं।

विभाग में राजभाषा हिंदी का प्रगति रथ यूँ ही आगे बढ़ता रहे, यही कामना है।

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	भारत मौसम विज्ञान विभाग में हिंदी की विकास यात्रा	10
2.	सूचना प्रौद्योगिकी और राजभाषा हिंदी	14
3	सम्मान एवं पुरस्कार	17
4	संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षित कार्यालय	26
	राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन	
5	जलवायु अनुसंधान और सेवाएं, पुणे	30
6	प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई	33
7	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नागपुर	37
8	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली	41
9	प्रादेशिक मौसम केंद्र, गुवाहाटी	43
10	प्रादेशिक मौसम केंद्र, कोलकाता	45
11	प्रादेशिक मौसम केंद्र, चेन्नै	46
12	नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित कार्यालय	48
13	विभागीय द्विभाषी कोड / मैंन्युअलों की सूची	51
14	मौसम विज्ञान शब्दावली के प्रेरणास्रोत	57
15	मौसम मंजूषा एवं अन्य पुस्तिकाओं का सफर	60

मौसम मंजूषा पर कुछ प्रतिक्रियाएँ

डि. प्रशांत कुमार रेड्डी, भा.प्रशा.से.
D. Prasanth Kumar Reddy, IAS

भारत के उप-राष्ट्रपति के निजी सचिव
PRIVATE SECRETARY
TO THE VICE-PRESIDENT OF INDIA
नई दिल्ली/NEW DELHI - 110011
TEL.: 23016344 / 23016422 FAX : 23018124

संदेश

महामहिम उपराष्ट्रपति जी को यह जानकर हर्ष हुआ है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग की हिंदी गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा" के 29वें संस्करण का प्रकाशन किया गया है। यह प्रशंसनीय है कि पूरे भारत में स्थित मौसम विज्ञान विभाग के कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी में कार्य किया जा रहा है। "मौसम मंजूषा" के 29वें संस्करण के प्रकाशन से पाठकों की हिंदी में कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रकाशन "मौसम मंजूषा" के 29वें संस्करण की सफलता हेतु माननीय उपराष्ट्रति जी अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हैं।

प्रशांत
(डि. प्रशांत कुमार रेड्डी)

नई दिल्ली;
19 दिसंबर, 2019

हरकेश मीना,
उप सचिव (हिंदी),
विदेश मंत्रालय,
दूरभाष: 011-23013889
ईमेल: dshindi@mea.gov.in

विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
NEW DELHI

दिनांक: 22 नवम्बर, 2019

सुश्री रेवा जी,

आपको 'मौसम मंजूषा' के 29वें संस्करण के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। इसके अलावा, मैं आपका इस बात के लिए शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि आप अपनी इस महत्वपूर्ण पत्रिका को विदेश मंत्रालय भिजवाती हैं। आपकी इस पत्रिका का कलेवर सबसे अलग और अनोखा है इसलिए बरबस यह मेरा ध्यान खींच लेती है।

मैंने इस पत्रिका के लेखों को पढ़ने पर पाया कि इस पत्रिका में प्रकाशित सारे लेख स्तरीय होते हैं और खासकर वैज्ञानिक लेख बेहद सरल भाषा में होते हैं जो पढ़ने में सुरुचिपूर्ण तो होते ही हैं बल्कि ज्ञानवर्धक भी होते हैं। इस पत्रिका में प्रकाशित लेख 'माइक्रोवेव रेडियोमीटर' मुझे बेहद पसंद आया।

एक पाठक के तौर पर मैं सुझाव देना चाहूंगा कि इस पत्रिका में भाषा और व्याकरण पर एक स्थायी स्तम्भ प्रकाशित होना चाहिए जिससे न केवल कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी बल्कि इस पत्रिका के नियमित पाठक भी लाभान्वित होंगे। चूंकि आजकल भाषा और व्याकरण पर ज्ञानवर्धक लेख या कॉलम निकालने वाली बहुत सारी पत्रिकाएं या तो बंद हो चुकी हैं या उन्होंने अब यह महत्वपूर्ण विषय छोड़ दिया है। पहले कई अखबार भी इस तरह के लेख निकालते थे लेकिन अब भाषा और व्याकरण पर हिंदी लेखन का अकाल सा पड़ गया है।

किसी भी पत्रिका के प्रकाशन का प्राथमिक उद्देश्य पाठकों के बीच सूचना और जानकारी पहुंचाना और कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में सृजनात्मक क्षमता एवं रचनाधर्मिता पैदा करना होता है। यह पत्रिका नि:संदेह कार्यालय के कार्मिकों को मौलिक अभिव्यक्ति प्रदान करेगी। इस प्रकार के कार्यकलापों से कार्यालय के कार्मिकों और पाठकों के मध्य व्यक्तित्व विकास, मौलिक चिंतन और रचनात्मक लेखन को बढ़ावा मिलता है।

मैं भारत मौसम विज्ञान विभाग परिवार की सतत प्रगति की कामना करते हुए, पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित करता हूं और राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सहायक बनने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

(हरकेश मीना)

(पृ0 1 से आगे)

आपकी राय में....

"मौसम मंजूषा" का नवीन अंक प्राप्त हुआ । मौसम विज्ञान के संबंध में विभाग द्वारा हिंदी में मूल लेखन को प्रोत्साहन देकर सराहनीय कार्य किया गया है । आशा है कि यह पत्रिका उपयोगी और शोध पूर्ण सामग्री के साथ निरंतर प्रकाशित होती रहेगी ।

- डा0 परमानंद पांचाल विशेष कार्य अधिकारी (भाषाएं) राष्ट्रपति सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004.

सरकारी काम-काज में हिंदी को उसका उचित स्थान दिलाने की दृष्टि से आप जो प्रयत्न कर रहे हैं, उनसे मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं । सबसे अच्छी बात यह है कि इस पत्रिका के माध्यम से आप हिंदी के बारे में तो लोगों को जानकारी देते ही हैं, साथ ही साथ पाठकों में, हिन्दी में काम करने के प्रति उत्साह जगाने का भी प्रयत्न करते हैं ।

- श्री ओम प्रकाश वर्मा, निदेशक (हिंदी) शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली -110001.

यह पत्रिका जीवन और मौसम को साथ-साथ लेकर चल रही है और पर्यावरण और चिंतन को नयी दिशाएं देती है । इससे अच्छी सुख की और क्या अनुभूति हो सकती है ।

- डा0 श्याम सिंह शशि निदेशक, प्रकाशन विभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली, पटियाला हाऊस, नई दिल्ली-110001.

भारत मौसम विज्ञान विभाग में हिंदी की विकास यात्रा

❖ *रेवा शर्मा*
उपनिदेशक (रा.भा.)
मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों द्वारा बहुत पहले से ही हिंदी में मौसम विज्ञान से जुड़े विषयों पर लिखा जाता रहा है। मौसम विज्ञान पर प्रकाशित हिंदी पुस्तकों की सूची नीचे दी गई है:-

- श्री सी.डब्ल्यू. बी. नोरमंड , वेधशालाओं के महानिदेशक, पुणे द्वारा मई,1930 में 'सतही वेधशालाओं के प्रेक्षकों के लिए अनुदेश' का प्रथम संस्करण प्रकाशित किया गया।
- 1969 में तत्कालीन मंत्रालय (पर्यटन एवं नागर विमानन) द्वारा हिंदी में 'हमारी मौसम सेवा' पुस्तक प्रकाशित की गई जिसमें सभी चार्ट, नक्शे तथा तालिकाएं आदि हिंदी में ही दर्शाई गई हैं।
- मौसम विज्ञान — रमेशचंद्र बनर्जी, डॉ. दयाशंकर उपाध्याय
- वर्षा की हवाएँ — डॉ.पी. के. दास
- मौसम क्या, क्यों और कैसे — डॉ शशि मोहन कुलश्रेष्ठ
- वायुमंडलीय प्रदूषण — डॉ. हरिनारायण श्रीवास्तव
- भूकंप — डॉ. हरिनारायण श्रीवास्तव
- प्राकृतिक आपदाएँ और बचाव — हरिनारायण श्रीवास्तव ,राजेंद्र प्रसाद
- मौसम का रहस्य — राजेंद्र प्रसाद
- मौसम और हम — राजेंद्र प्रसाद

विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा"

1984 में भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा पहली बार विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा" का प्रकाशन किया गया। प्रथम अंक को अत्यन्त साधारण कलेवर में, परंतु अनेक रोचक लेखों, कविताओं और वैज्ञानिक रचनाओं के साथ प्रस्तुत किया गया था। प्रथम अंक के प्रकाशन के समय हमारे साथियों के ज्ञान का एक और पहलू नज़र आया। हमें पता चला कि हमारे वैज्ञानिक विभाग में इतनी अधिक प्रतिभा तथा इतना अधिक संवेदनशील हृदय छिपा हुआ है। उनकी हृदयस्पर्शी कविताएं, भावपूर्ण लेख, रोचक तथा हास्य व्यंग्य, सभी ने दिल को छुआ। उस समय लेखकों को कोई प्रोत्साहन राशि भी नहीं दी जाती थी। उस समय आरंभ की गई यह यात्रा किस गति से आगे बढ़ रही है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि अब सुंदर और आकर्षक कलेवर में इस पत्रिका के वर्ष में दो अंक प्रकाशित किए जाने आरंभ किए गए हैं और इसकी प्रतियां विभाग के सभी उपकार्यालयों के साथ-साथ अन्य मंत्रालयों , कार्यालयों और सम्मानित हस्तियों को भेजी जाती हैं।

मौसम विज्ञान शब्दावली

वैज्ञानिक विभाग होने के कारण विभाग के कार्यों में हिंदी के प्रयोग को सरल बनाने और सभी तक पहुँचाने के उद्देश्य से "मौसम विज्ञान शब्दावली" तैयार करने की आवश्यकता महसूस की गई। इसके लिए विभाग में एक

शब्दावली समिति का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष तत्कालीन निदेशक, डॉ. एस.एम.कुलश्रेष्ठ तथा संयोजक श्री ए.एस.वर्मा, तत्कालीन हिंदी अधिकारी थे। समिति के अन्य सदस्य श्री नूतन दास, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली, श्री धनंजय कुमार मिश्र, निदेशक, उपग्रह मौसम, श्री एच.एन.श्रीवास्तव, निदेशक, भूकम्प मौसम विज्ञान, श्री वी.पी.वर्मा, सहायक मौसम विज्ञानी, मौसम उपकरण तथा श्री कुंदन लाल, मौसम विज्ञानी थे।

सभी सदस्यों के अथक और अनवरत प्रयासों से 1 अप्रैल, 1980 को 1632 शब्दों की "मौसम विज्ञान शब्दावली" का पहला संस्करण तैयार किया गया।

शब्दावली के प्रथम संस्करण को विभाग के अधिकारियों और कार्मिकों द्वारा काफी सराहा गया। लगभग सात वर्षों के सतत प्रयास से 15 मई, 1990 को "मौसम विज्ञान शब्दावली" का द्वितीय संस्करण प्रकाशित किया गया जिसमें लगभग पाँच हज़ार शब्द थे।

विज्ञान की प्रगति के चरणों में उत्तरोत्तर वृद्धि के परिणामस्वरूप सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति आने के साथ-साथ मौसम विज्ञान से जुड़े विषयों में भी नवीनतम शब्दों का अनायास ही समावेशन होता रहा है। हिंदी पर्यायों की बढ़ती हुई माँग की पूर्ति के लिए उक्त शब्दावली के संशोधन का कार्य भी फिर से आरम्भ किया गया। तदनुसार शब्दावली के द्वितीय संस्करण में समय की माँग के अनुसार संशोधन करने एवं नए शब्दों के समावेशन के लिए मौसम विज्ञान के तत्कालीन महानिदेशक डॉ. आर.आर.केलकर ने पूर्व महानिदेशक, डॉ. शशि मोहन कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया। उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने शब्दों के संशोधन एवं समावेशन के कार्य के महत्त्व को स्वीकार करते हुए तत्कालीन मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक, डॉ. आर.के.दुबे (प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली) की अध्यक्षता में एक कार्यकारी समिति का गठन किया। वर्ष 1999 से निरंतर प्रयासों के बाद 2003 में शब्दावली के तीसरे संस्करण की पाण्डुलिपि तैयार हो सकी, जिसके आधार पर भारत सरकार मुद्रण निदेशालय, फरीदाबाद द्वारा तृतीय संस्करण प्रकाशित किया गया। इस संस्करण में विभाग में प्रयुक्त पदनाम तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप कार्यालयों के नामों के हिंदी पर्याय भी सम्मिलित किए गए।

- "मौसम विज्ञान शब्दावली" का प्रथम संस्करण वर्ष 1980 में प्रकाशित किया गया।
- "मौसम विज्ञान शब्दावली" का द्वितीय संस्करण वर्ष 1990 में प्रकाशित किया गया।
- "मौसम विज्ञान शब्दावली" का तृतीय संस्करण वर्ष 2003 में प्रकाशित किया गया।

विभाग द्वारा प्रकाशित मौसम विज्ञान शब्दावली का लिंक राजभाषा विभाग की वेबसाइट में भी उपलब्ध करा दिया गया है और इसे सर्वसुलभ कराने के उद्देश्य से डिजिटल रूप में मेटनेट पर भी अपलोड कर दिया गया है।

कोड/ मैन्युअलों का हिंदी रूपांतरण

भारत मौसम विज्ञान विभाग में प्रयोग में लाए जाने वाले 64 कोड/ मैन्युअलों का केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा हिंदी पाठ तैयार करवा कर विभाग के प्रयोग के लिए दोनों भाषाओं में उपलब्ध करवा दिया गया है ।

"राजभाषा नीति सिंहावलोकन"

- वर्ष 2007 में "राजभाषा नीति सिंहावलोकन" का प्रथम संस्करण प्रकाशित किया गया। इस संस्करण में राजभाषा नीति, नियमों के अतिरिक्त कार्यालय में प्रयोग होने वाले फॉर्म भी द्विभाषी रूप में प्रकाशित करवाए गए।
- वर्ष 2008 में इसका दूसरा अद्यतन संस्करण प्रकाशित किया गया।

- वर्ष 2018 में तीसरा डिजिटल संस्करण तैयार किया गया और उसे राजभाषा पटल पर अपलोड किया गया

"राजभाषा बुलेटिन"

विभाग में राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार और विभिन्न गतिविधियों से संबंधित समाचार बुलेटिन ''राजभाषा बुलेटिन" तैयार किया गया । मुख्यालय द्वारा तैयार किया यह पहला बुलेटिन है । इस "राजभाषा बुलेटिन" के पहले अंक का विमोचन दिनांक 10-04-2013 को महानिदेशक महोदय डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ द्वारा किया गया । "राजभाषा नीति सिंहावलोकन" डिजिटल रूप में मेटनेट पर भी उपलब्ध है।

"मौसमी बयार"

विभाग के कार्मिकों द्वारा मौसम पर लिखित कविताओं को "मौसमी बयार" के रूप में तैयार करके एक ऐतिहासिक संकलन तैयार किया गया। मौसमी बयार के रचयिताओं को महानिदेशक महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

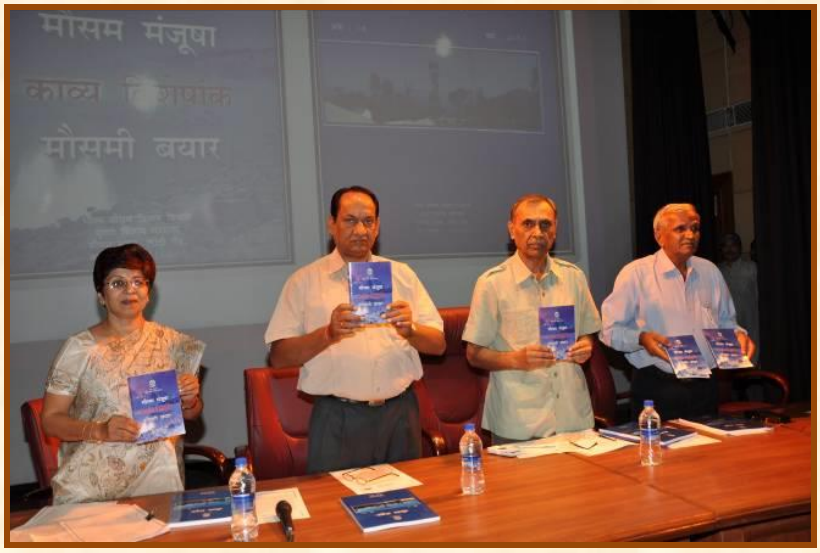

अन्य प्रकाशन

- पिछले कुछ वर्षों से वैज्ञानिक विषयों पर आयोजित की जाने वाली हिंदी संगोष्ठियों के व्याख्यानों को पुस्तक रूप में तैयार किया जाता है।
- वैज्ञानिक प्रकाशन "मौसम" के शोधपत्रों के सार हिंदी में नियमित रूप से दिए जाते हैं।
- मुख्यालय द्वारा हिंदी में आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिताओं के सर्वश्रेष्ठ निबंधों को "निबंध सागर" के नाम से पुस्तक रूप में संकलित करके प्रकाशित किया गया।
- विभाग के मुख्यालय द्वारा हिंदी में विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा" के साथ-साथ अनेक उपकार्यालयों द्वारा हिंदी में गृह पत्रिकाएं प्रकाशित की जा रही हैं:
    - जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं, पुणे - किरणें
    - प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुम्बई - ऋतुचक्र
    - प्रादेशिक मौसम केंद्र, चेन्नै - पवनदूत
    - प्रादेशिक मौसम केंद्र, नागपुर - ऋतुरंग

- प्रादेशिक मौसम केंद्र, कोलकाता - पूर्वाशा

प्रादेशिक मौसम केंद्र, गुवाहाटी तथा नई दिल्ली द्वारा भी गृह पत्रिका के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है।

वैज्ञानिक विषयों पर हिंदी में संगोष्ठियाँ

हिंदी के प्रचार-प्रसार को और अधिक गति मिली हमारे तत्कालीन महानिदेशक महोदय श्री एल. एस. राठौड़ तथा राजभाषा अनुभाग के अथक प्रयासों से हिंदी में वैज्ञानिक विषयों पर संगोष्ठियाँ आयोजित की जानी आरंभ की गईं। इससे हमारे वैज्ञानिकों में बहुत अधिक उत्साह देखने को मिला। अब तक सात विभागीय और एक अंतर-मंत्रालय तथा अंतर-विभागीय संगोष्ठी आयोजित की गई है, तथा इनकी प्रस्तुतियों को पुस्तक रूप में भी प्रकाशित किया जाता है।

विभाग में हिंदी की वर्तमान स्थिति

जब हम विभाग में हिंदी की वर्तमान स्थिति की बात करते हैं तो स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं। राजभाषा नियमों के अनुपालन हेतु किसी बाध्यतावश नहीं, बल्कि स्वेच्छा से और निष्ठा से हम अपनी इस उड़ान को निरंतर ऊँचाईयों तक ले जाने में कृतसंकल्प हैं। आज हमारे हर छोटे-बड़े कार्यालय में हिंदी प्रयोग की दिशा में दिनोंदिन प्रगति हो रही है। उपकार्यालयों में नियमित रूप से हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

राजभाषा अनुभाग के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से उप कार्यालयों में राजभाषा हिंदी की प्रगति का निरीक्षण किया जाता है।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनेक छोटे-बड़े कार्यालयों के निरीक्षण किए जाते हैं तथा अनेक कार्यालयों की सराहना भी समिति द्वारा की गई है।

हिंदी के प्रयोग की दिशा में विभाग तथा इसके अधिकारियों और उपकार्यालयों को अनेक बार सम्मानित भी किया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी और राजभाषा हिंदी

❖ *सरिता जोशी*
सहायक निदेशक (राजभाषा)
मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग में राजभाषा हिंदी के कार्य में हो रही प्रगति का मुख्य कारण सूचना प्रौद्योगिकी का आगमन है। तकनीक और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन से कम्प्यूटर आज हमारे दैनिक कार्य प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। कम्प्यूटर पर एक क्लिक करते ही सूचनाओं का भंडार हमारे सामने आ जाता है। यह आधुनिक तकनीक का ही परिणाम है कि आज हम कम्प्यूटर में हिंदी और अन्य भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी आसानी से कार्य कर सकते हैं। कोई भी तकनीक किसी भाषा को तोड़ती नहीं बल्कि जोड़ती है, उसका विकास करती है, उसे आगे बढ़ाती है, उसके सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है ।

हमारे संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है। हिंदी आज नई ऊँचाईयों को छू रही है। हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जिसे भारत में उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक लोग समझ और बोल सकते हैं। हिंदी भाषा के विकास, प्रचार, प्रसार के लिए सरकारी तंत्र में भी महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। अब कम्प्यूटर पर अन्य भाषाओं की ही तरह हिंदी भाषा में भी आसानी से कार्य किया जाने लगा है।

आज हमारे कार्यालय के सभी कम्प्यूटर यूनिकोड समर्थित हैं। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के आदेशानुसार सभी कार्यालयों के सभी कम्प्यूटरों में यूनिकोड स्थापित होना अनिवार्य है जिससे हम हिंदी भाषा में आसानी से कार्य कर सकें। यूनिकोड का अर्थ है भाषा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोडीकरण। यूनिकोड भाषायी कम्प्यूटरीकरण है। यह अंतरराष्ट्रीय मानक है। इसे वैश्विक स्तर पर सूचना के आदान-प्रदान के मानक के रूप में स्वीकारा गया है। यदि आपके कम्प्यूटर पर यूनिकोड स्थापित है तो आप कार्यालय के सभी कार्य आसानी से हिंदी में कर सकते हैं। इसके प्रयोग का एक लाभ यह भी है कि किसी भी भाषा की सामग्री विश्व के किसी भी सिस्टम में आसानी से पढ़ी जा सकती है। आवश्यकता है तो सिर्फ कम्प्यूटर पर यूनिकोड सक्रिय करने की। कम्प्यूटर पर यूनिकोड सक्रिय करने के लिए bhashaindia.com की साइट पर जाएँ और कम्प्यूटर पर आसानी से यूनिकोड इंस्टॉल कर लें ।

अब बात आती है कम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य करने की । ऐसे प्रयोक्ता जिन्हें टाइपिंग करने का ज्ञान नहीं है वे फोनेटिक (ध्वन्यात्मक) की बोर्ड हिंदी ट्रांसलिट्रेशन का चयन करके आसानी से हिंदी में कार्य कर रहे हैं । जैसे यदि आपको 'मौसम ' शब्द टाइप करना हो तो आप "की बोर्ड" पर अंग्रेजी अक्षर mausam टाइप करेंगे और स्क्रीन पर आउटपुट 'मौसम' आएगा। इसी प्रकार मुख्यालय के हिंदी टंकण का ज्ञान रखने वाले सभी साथी Remington, Inscript की बोर्ड का चयन करके यूनिकोड में कार्य कर रहे हैं। ऐसा करके नॉन यूनिकोड फॉंट जैसे कृति देव आदि में किए गए कार्य से होने वाली परेशानी से हम बच रहे हैं। यूनिकोड में कार्य करना बहुत ही आसान है। हम वर्ड के किसी भी फॉर्मेट में कार्य कर सकते हैं। हमारे साथी अब हिंदी के प्रेजेटेंशन बना रहे हैं, ई मेल कर रहे हैं, एक्सेल में कार्य कर रहे हैं आदि आदि। इसके अलावा microsoft indic inpot tool भी इस्तेमाल रहे हैं। अब इस सुविधा की जानकारी विभाग के सभी कार्मिकों को है जिससे हिंदी का कार्य करना सरल हो गया है।

राजभाषा पटल

भारत मौसम विज्ञान विभाग के विभागीय इंट्रा पोर्टल metnet.imd.gov.in में वर्ष 2010 में 'राजभाषा पटल' का लिंक उपलब्ध कराया गया जिसमें आपकी सुविधा के लिए विभाग के मुख्यालय में होने वाली राजभाषा संबंधी गतिविधियों का ब्यौरा उपलब्ध है। 'राजभाषा पटल' में राजभाषा से जुड़े कार्यों का वर्षवार ब्यौरा उपलब्ध कराया गया है जिसमें विभागीय हिंदी गृह पत्रिका 'मौसम मंजूषा' के प्रत्येक वर्ष निकलने वाले संस्करण मौसम मंजूषा का काव्य विशेषांक 'मौसमी बयार', निबंध सागर, 'राजभाषा बुलेटिन' जैसे प्रकाशन उपलब्ध हैं।

'हिंदी प्रकाशन' के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा तैयार की गई राजभाषा नियमों, अधिनियमों के संकलन से संबंधित 'राजभाषा नीति सिंहावलोकन' पुस्तिका के साथ ही विभाग द्वारा तैयार की गई 'मौसम विज्ञान शब्दावली' का लिंक भी इसमें उपलब्ध है। इसी लिंक के अंतर्गत कुछ संकलन- 'अनुदेश पुस्तकें' और 'हिंदी व्याख्यान' भी देख सकते हैं।

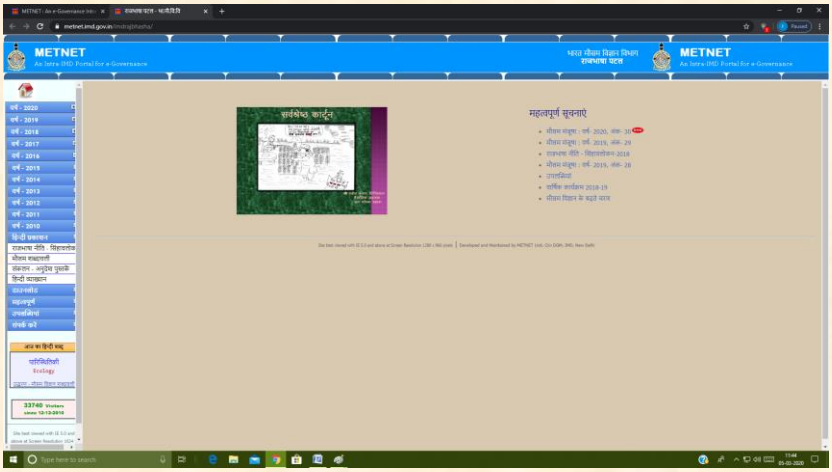

राजभाषा पटल में **'डाउनलोड'** के लिंक में विभिन्न 'प्रपत्र' जैसे निरीक्षण प्रश्नावली, तिमाही प्रगति रिपोर्ट, अर्धवार्षिक रिपोर्ट, नकद पुरस्कार आदि उपलब्ध हैं जिनका विभाग के कोने- कोने में फैले कार्यालयों के कार्मिक उपयोग कर पा रहे हैं।

राजभाषा पटल में **'महत्वपूर्ण'** के अंतर्गत दिए गए **'लिंक्स'** में राजभाषा विभाग, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग तथा भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास की साइट आप देख सकते हैं और उनका भरपूर उपयोग कर सकते हैं। राजभाषा हिंदी से जुड़े नियम, अधिनियम आदि की जानकारी के लिए गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की साइट rajbhasha.nic.in पर जाएँ। राजभाषा विभाग की वेबसाइट में 'ई महाशब्दकोश' तथा 'कंठस्थ' की भी सुविधा उपलब्ध है। 'ई महाशब्दकोश' एक ऑनलाइन शब्दकोश है जिसमें लगभग 2.5 से 3 लाख प्रशासनिक शब्दों को शामिल किया गया है। यह द्विभाषी द्विआयामी शब्दकोश है। इसमें अंग्रेजी से हिंदी व हिंदी से अंग्रेजी शब्द खोजे जा सकते हैं। अनुवाद के लिए 'कंठस्थ' की सुविधा उपलब्ध है। हमारे विभाग की मौसम विज्ञान शब्दावली का भी लिंक राजभाषा विभाग की वेबसाइट में दिया गया है। एक अन्य बहुत ही उपयोगी साइट वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की साइट cstt.publication.mhrd.gov.in है जिसमें 40 विषयों से संबंधित शब्दों की शब्दावली की खोज कर सकते हैं। इस साइट में इन विषयों की विषयवार सूची अकारादि क्रम में

दी गई है। जो एक ऐसी शब्दावली है जिसका उपयोग हम कभी भी कहीं भी ऑनलाइन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ildc.nic.in साइट का लिंक भी उपलब्ध कराया गया है।

'महत्वपूर्ण' के अंतर्गत **'अभिलेख'** में विभाग के अधिसूचित कार्यालयों, मुख्यालय के विनिर्दिष्ट अनुभागों की सूची तथा 'राजभाषा सम्मान' आदि देख सकते हैं जिसमें विभाग के राजभाषा कार्मिकों की उपलब्धियाँ भी देख सकते हैं। राजभाषा पटल पर 'आज का हिंदी शब्द' में प्रतिदिन मौसम विज्ञान शब्दावली से एक नया शब्द उसके हिंदी रूपांतर के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

विभाग में समय-समय पर आयोजित की जाने वाली कार्यशलाओं में भी यह सभी जानकारियाँ उपलब्ध कराई जाती हैं। 'वॉयस टाइपिंग' से हिंदी में कार्य करने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली अखिल भारतीय विभागीय हिंदी संगोष्ठी में भी वैज्ञानिक सहायक से लेकर वैज्ञानिक 'जी' तक के स्तर के कार्मिकों द्वारा भाग लेकर उसमें हिंदी में प्रेजेंटेशन दी जाती हैं।

विभाग की वेबसाइट imd.gov.in का राजभाषा अनुभाग द्वारा दो बार हिंदी रूपांतरण करके सूचना प्रणाली एवं सेवाएं प्रभाग को उपलब्ध कराया जा चुका है। हाल ही में विभाग की नई वेबसाइट mausam.imd.gov.in का भी अनुवाद कार्य प्रगति पर है । इसके मुख पृष्ठ का अनुवाद करके सूचना प्रणाली एवं सेवाएं प्रभाग को उपलब्ध करा दिया गया है।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि कम्प्यूटर आज हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। व्यक्तिगत कार्यों से लेकर सरकारी कार्यों तक के लिए हमें कम्प्यूटर का सहारा लेना पड़ता है। कम्प्यूटर पर आसानी से हम विभिन्न भाषाओं में कार्य कर सकते हैं। इतनी सुविधाओं के चलते कम्प्यूटर में हिंदी में कार्य करना भी अब बहुत ही सरल हो गया है। जरूरत है तो यह जानने की कि कम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य करने की क्या क्या सुविधाएँ उपलब्ध हैं और हम उन सुविधाओं का किस प्रकार बेहतर से बेहतर उपयोग कर सकते हैं। इस संबंध में विशेष रूप से विभागीय हिंदी गृह पत्रिका 'मौसम मंजूषा' के विषय में बताना चाहूँगी जिसका प्रकाशन मुख्यालय के राजभाषा अनुभाग द्वारा किया जाता है और जिसकी डिज़ाइनिंग आदि अनुभाग द्वारा ही की जाती है। यह गर्व का विषय है कि पत्रिका को राष्ट्रपति महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया है। यह सब सूचना प्रौद्योगिकी के कारण ही संभव हो सका है।

हिंदी में कार्य करके भारत सरकार के संविधान में दिए गए प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक सरकारी कर्मचारी अपना योगदान दे सकता है और राजभाषा हिंदी को उसके स्थान पर गौरवान्वित कर सकता है। आज विभाग में राजभाषा हिंदी के उत्थान का श्रेय विभाग के कार्मिकों के साथ-साथ निस्संदेह सूचना प्रौद्योगिकी को भी जाता है।

सम्मान एवं पुरस्कार

❖ *कल्पना श्रीवास्तव*
वरिष्ठ अनुवादक
मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं को, उनमें लिखे गए लेखों को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं विभिन्न संस्थानों द्वारा समय-समय पर पुरस्कृत किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की विभागीय गृह पत्रिका और उपकार्यालयों की गृह पत्रिका आदि भी समय समय पर पुरस्कृत की गई हैं-

विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा"

वर्तमान समय में इस पत्रिका के वर्ष में दो संस्करण प्रकाशित किए जाते हैं। अब तक "मौसम मंजूषा" के 30 संस्करण प्रकाशित किए जा चुके हैं। पिछले अनेक वर्षों में "मौसम मंजूषा" को अनेक बार पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार/ सम्मान

- आशीर्वाद संस्थान, मुम्बई द्वारा 2013 में विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा" को पुरस्कृत किया गया।
- आशीर्वाद संस्थान, मुम्बई द्वारा मौसम मंजूषा के 17वें अंक के लिए सुश्री रेवा शर्मा, उप निदेशक (रा.भा.) को "श्रेष्ठ गृह पत्रिका" के राजभाषा पुरस्कार से नवाज़ा गया।
- हिंदी दिवस, 2015 के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा "मौसम मंजूषा" को 19वें और 20वें संस्करण के लिए "राजभाषा कीर्ति सम्मान (द्वितीय) प्रदान किया गया ।

विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा" के लेखकों को सम्मान

- 14 सितम्बर, 2014 को महामहिम राष्ट्रपति जी के कर-कमलों से मौसम मंजूषा के 17वें अंक में श्री एम. आर. कालवे, वैज्ञानिक सहायक के लेख " सफलता का मूल मंत्र- समय का सदुपयोग" के लिए राजभाषा भाषी श्रेणी का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- 14 सितम्बर, 2015 को महामहिम राष्ट्रपति जी के कर-कमलों से मौसम मंजूषा के 20वें अंक में श्री के. वी. बालसुब्रह्मणयन के लेख "बवंडर" को महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा "राजभाषा गौरव सम्मान" का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

- "मौसम मंजूषा" के 22वें संस्करण में प्रकाशित डॉ. एस. के. पेशिन, वैज्ञानिक 'जी' के लेख "अंटार्कटिका पर ओज़ोन" को हिंदीतर भाषी क्षेत्र में "राजभाषा गौरव सम्मान" (तृतीय) से तथा सम्मानित किया गया।
- श्री रामहरि शर्मा के लेख "वायुमंडल की सैर" को हिंदी भाषी क्षेत्र में "राजभाषा गौरव सम्मान" (तृतीय) से सम्मानित किया गया।

- 14 सितम्बर, 2017 को महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा विभाग के मौसम कार्यालय सांताक्रूज़ के हिंदीतर भाषी मौसम विज्ञानी श्री आर.बी.एस. नारायण को मौसम मंजूषा में उनके लेख " विमानन सुरक्षा के लिए मौसम सेवा" के लिए "प्रथम पुरस्कार" प्रदान किया गया।

पुरस्कार एवं सम्मान

विभाग प्रमुख को सम्मान

- वर्ष 2015 में राजभाषा सेवा संस्थान द्वारा आयोजित 'राजभाषा सम्मेलन व चिंतन शिविर' में डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी, माननीय संसदीय सदस्य द्वारा मौसम विज्ञान में राजभाषा राजभाषा के सर्वांगीण विकास

के लिए श्री लक्ष्मण सिंह राठौर, महानिदेशक को "राजभाषा श्री" पुरस्कार सम्मानित किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग को सम्मान

- जनवरी, 2015 में राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भारत मौसम विज्ञान विभाग को "राजभाषा उत्कृष्टता सम्मान-2015" प्रदान किया गया।

"राजभाषा चल शील्ड योजना"

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुख्यालय द्वारा उप कार्यालयों में राजभाषा राजभाषा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 1997 से "राजभाषा चल शील्ड योजना" आरम्भ की गई। इस योजना के अंतर्गत "राजभाषा चल शील्ड" प्राप्त करने वाले उप कार्यालयों का विवरण निम्नवत है:

वर्ष	उपकार्यालय का नाम
• 1997-1998	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
• 1998-1999	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
• 1999-2000	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
• 2000-2001	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
• 2001-2002	उपमहानिदेशक (जल मौसम), नई दिल्ली
• 2002-2003	उपमहानिदेशक (उ.वा.उ.),नई दिल्ली
• 2003-2004	उपमहानिदेशक (उ.वा.उ.),नई दिल्ली
• 2004-2005	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
• 2005-2006	उपमहानिदेशक (संगठन), नई दिल्ली
• 2006-2007	उपमहानिदेशक (संगठन), नई दिल्ली

- 2007-2008 उपमहानिदेशक (प्रशासन एवं भंडार), नई दिल्ली
- 2008-2009 उपमहानिदेशक (प्रशासन एवं भंडार), नई दिल्ली
- 2009-2010 प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
- 2010-2011 प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
- 2011-2012 प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
- 2012-2013 प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली
- 2013-2014 वित्त अधिकारी, मुख्यालय नई दिल्ली
- 2014-2015 कल्याण अनुभाग, मुख्यालय, नई दिल्ली
- 2015-2016 सी.ए.एम.डी, मुख्यालय, नई दिल्ली
- 2016-2017 कल्याण अनुभाग, मुख्यालय, नई दिल्ली
- 2017-2018 कल्याण अनुभाग, मुख्यालय, नई दिल्ली
- 2018-2019 सामान्य अनुभाग, मुख्यालय, नई दिल्ली

वर्ष 2012 -2013 में हिंदी में सबसे अधिक पत्राचार करने के लिए को प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली डॉ ओ.पी.सिंह को राजभाषा चलशील्ड प्रदान की गई ।

वर्ष 2013 -2014 में हिंदी में सबसे अधिक पत्राचार करने के लिए वित्त अधिकारी को राजभाषा चलशील्ड प्रदान की गई । राजभाषा चलशील्ड श्री राम प्रसाद लाल, वैज्ञानिक 'ई' ने ग्रहण की ।

"राजभाषा शील्ड योजना"

भारत मौसम विज्ञान विभाग के स्थापना दिवस 15 जनवरी 2020 के अवसर पर राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए "राजभाषा शील्ड" मौसम केंद्र, गंगटोक के प्रमुख डॉ जी. एन . राहा , वैज्ञानिक "ई" को प्रदान की गई।

सर्वश्रेष्ठ कार्मिक पुरस्कार

विभाग के राजभाषा हिंदी से जुड़े कार्मिकों को अनेक बार सर्वश्रेष्ठ कार्मिक पुरस्कार प्रदान किए गए हैं-

- **2009 सुश्री रेवा शर्मा, हिंदी अधिकारी, भा.मौ.वि.वि., नई दिल्ली**
- **2011 श्रीमती एम.अनुराधा, वरि.अनुवादक , नई दिल्ली**
- **2012 श्रीमती वल्सला जोगलेकर, वरि.अनुवादक, प्रा.मौ.के., मुम्बई**
- **2013 सुश्री रेवा शर्मा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, भा.मौ.वि.वि., नई दिल्ली**

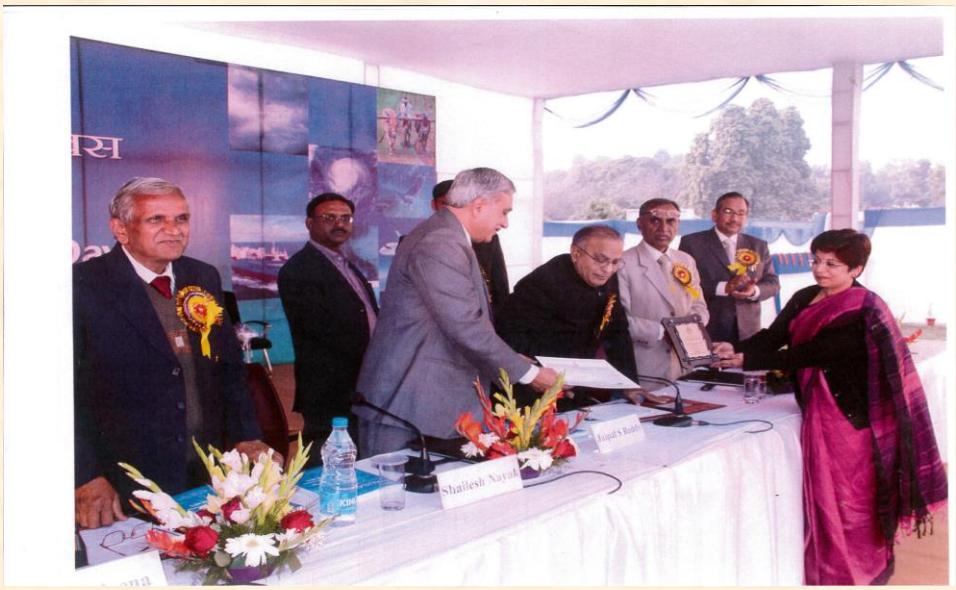

- **2016 श्रीमती सरिता जोशी, हिंदी अधिकारी, भा.मौ.वि.वि., नई दिल्ली**

अन्य पुरस्कार/सम्मान

राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए भा.मौ.वि.वि., इसके उपकार्यालयों, कार्मिकों तथा विभागीय गृह पत्रिका "मौसम मंजूषा" को अनेक बार सम्मानित किया गया

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों को सम्मान

- जनवरी 2015 में राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सुश्री रेवा शर्मा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी को "राजभाषा विभूति सम्मान-2015" प्रदान किया गया।
- जनवरी 2015 में राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में श्रीमती सरिता जोशी हिंदी अधिकारी को "राजभाषा गौरव सम्मान-2015" प्रदान किया गया।

- वर्ष 2015 में राजभाषा सेवा संस्थान द्वारा आयोजित 'राजभाषा सम्मेलन व चिंतन शिविर' में डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी, माननीय संसदीय सदस्य द्वारा मौसम विज्ञान में राजभाषा हिंदी के सर्वांगीण विकास के लिए निम्नलिखित अधिकारियों को सम्मानित किया गया-

1. डॉ.एस.के.पेशिन, वैज्ञानिक 'जी' - "विशिष्ट पुरस्कार"
2. सुश्री रेवा शर्मा, उप निदेशक राजभाषा - "विशिष्ट पुरस्कार"
3. श्रीमती सरिता जोशी, राजभाषा अधिकारी - "विशिष्ट पुरस्कार"
4. श्री रामहरि शर्मा, वैज्ञानिक सहायक - "विशिष्ट पुरस्कार"

- परिवर्तन जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित "विश्व हिंदी दिवस" 10 जनवरी, 2016 को डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी द्वारा सुश्री रेवा शर्मा, उप निदेशक (रा.भा.) को "राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन रत्न" से सम्मानित किया गया।

- राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास द्वारा 13 जनवरी, 2017 को आयोजित 23वें अखिल भारतीय राजभाषा विकास एवं सम्मान समारोह में श्री रामहरि शर्मा को "राजभाषा गौरव सम्मान", 2017 से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2018 में राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास द्वारा सुश्री रेवा शर्मा, उपनिदेशक (रा.भा.) को 'राजभाषा रजत जयंती पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

उप कार्यालयों को सम्मान

- अनेक उपकार्यालयों को उनकी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों द्वारा हिंदी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कत किया गया है:
  - प्रादेशिक मौसम केंद्र, नागपुर
  - प्रा.मौ.के.मुम्बई
  - मौसम केन्द्र, लखनऊ
  - जलवायु अनुसंधान और सेवाएं, पुणे

विभागीय शोध पत्रिका "मौसम" में हिंदी में शोधपत्र के लिए सम्मान

- विभागीय शोध पत्रिका "मौसम" में "पश्चिमी राजस्थान के लिए पवन चक्कियों द्वारा विद्युत उत्पादन हेतु वायु विश्लेषण" विषय पर हिंदी में शोध पत्र लिखने के लिए मौसम कार्यालय जैसलमेर के श्री बद्री नारायण विश्नोई, वैज्ञानिक 'ई' को माननीय मंत्री महोदय द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग के स्थापना दिवस के अवसर पर "मौसम शोध पुरस्कार" के रूप में 20,000/-रू. नकद और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षित कार्यालय- एक झलक

❖ *बीरेन्द्र कुमार*
वरिष्ठ अनुवादक
मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय

संविधान निर्माताओं ने संविधान के निर्माण के समय राजभाषा विषय पर विचार-विमर्श किया था और यह निर्णय लिया कि देवनागरी लिपि में हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया जाए । इसी आधार पर संविधान के अनुच्छेद 343(1) में देवनागरी लिपि में हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया। किन्तु, संविधान के निर्माण तथा अंगीकरण के समय यह परिकल्पना की गई थी कि संघ के

कार्यकारी, न्यायिक और वैधानिक प्रयोजनों के लिए प्रारम्भिक 15 वर्षों तक अर्थात् 1965 तक अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहे । तथापि यह प्रावधान किया गया था कि उक्त अवधि के दौरान भी राष्ट्रपति कतिपय विशिष्ट प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग का प्राधिकार दे सकते हैं।

2. परिवर्तन के लिए 15 वर्ष की कालावधि पर्याप्त विचार विमर्श के बाद निर्धारित की गई थी ताकि उक्त अन्तराल के बाद निर्बाध भाषाई परिवर्तन हेतु आवश्यक व्यवस्था तथा तैयारी की जा सके ।संविधान के निर्माता इस बात के प्रति जागरूक थे कि सभी क्षेत्रों में 1965 तक भाषाई परिवर्तन करना सम्भव न होगा । उन्हें यह भी आभास रहा होगा कि सुचारू परिवर्तन के हित में 15 वर्ष की कालावधि के दौरान भी अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी के क्रमिक प्रयोग की अनुमति दी जानी चाहिए।

3. संविधान के अनुच्छेद 351 में भी संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी के विकास का संकेत दिया गया है। संविधान निर्माताओं ने इस भाषा के एक अखिल भारतीय रूप की कल्पना की थी जो अन्य भारतीय भाषाओं की सहायता लेकर अहिंदी भाषी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार किए

जाने की क्षमता प्राप्त कर सके।

4. 1963 में राजभाषा अधिनियम अधिनियमित किया गया । अधिनियम में यह व्यवस्था भी थी कि केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्यों से पत्राचार में अंग्रेजी के प्रयोग को उसी स्थिति में समाप्त किया जाएगा जब सभी हिंदीतर भाषा भाषी राज्यों के विधान मण्डल इसकी समाप्ति के लिए संकल्प पारित कर दें और उन संकल्पों पर विचार करके संसद के दोनों सदन उसी प्रकार के संकल्प पारित करें। अधिनियम में यह भी व्यवस्था थी कि अन्तराल की अवधि में कुछ विशिष्ट प्रयोजनों के लिए केवल हिंदी का प्रयोग किया जाए और कुछ अन्य प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी और हिंदी दोनों का प्रयोग किया जाए। सन 1976 में राजभाषा नियम बनाए गए।

5. उक्त अधिनियम में, अन्य बातों के साथ-साथ, यह भी प्रावधान था कि संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति का पुनर्विलोकन करने के लिए एक राजभाषा समिति गठित की जाए ।

राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा (3) के प्रख्यापन के दस वर्ष बाद इस समिति का गठन किया जाना था ।

समिति का गठन अधिनियम की धारा 4 के तहत वर्ष 1976 में किया गया । इस समिति में संसद के 30 सदस्य होने का प्रावधान है: 20 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से ।

बाद में 1977,1980,1984,1989,1991,1996,1998, 1999 और 2004 के लोकसभा चुनावों के पश्चात् समिति का पुनर्गठन हुआ है । समिति के कार्यकलाप और गतिविधियां मुख्यत: राजभाषा अधिनियम,1963 की धारा 4 में दी गई हैं ।

सुलभ संदर्भ के लिए राजभाषा अधिनियम की धारा 4 को नीचे उद्धृत किया गया है:

"(1) जिस तारीख को धारा 3 प्रवृत्त होती है उससे दस वर्ष की समाप्ति के पश्चात् राजभाषा के सम्बन्ध में एक समिति, इस विषय का संकल्प संसद के किसी भी सदन में राष्ट्रपति की पूर्व मंजूरी से प्रस्तावित और दोनों सदनों द्वारा पारित किए जाने पर, गठित की जाएगी।

(2) इस समिति में तीस सदस्य होंगे, जिनमें 20 लोकसभा के सदस्य होंगे तथा 10 राज्यसभा के सदस्य होंगे, जो क्रमश: लोकसभा के सदस्यों तथा राज्यसभा के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा निर्वाचित होंगे।

(3) इस समिति का कर्तव्य होगा कि संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग में की गई प्रगति का पुनर्विलोकन करे और उस पर सिफारिशें करते हुए राष्ट्रपति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। राष्ट्रपति उस प्रतिवेदन को संसद के हर सदन के समक्ष रखने के लिए आदेश जारी करते हैं और उसे सभी राज्य सरकारों को भिजवाया जाता है।

संसदीय राजभाषा समिति राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 4(3) के अनुसार समिति का कर्तव्य है कि वह संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग में की गई प्रगति की समीक्षा करें एवं उस पर अपनी सिफारिशें करते हुए महामहिम राष्ट्रपति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

निरीक्षण कार्य के लिए संसदीय राजभाषा समिति की तीन उपसमितियां गठित हैं जो विभिन्न मंत्रालयों विभागों तथा अधीनस्थ कार्यालयों या सार्वजनिक उपक्रमों आदि में हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा करती हैं।

तीनों उप समितियों के संयोजक माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा नामित किए जाते है। इसके अतिरिक्त एक आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति भी गठित है। समिति के उपाध्यक्ष इस उप समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं तथा इसमें तीनों उप समितियों के संयोजक भी होते हैं। इसके अलावा समिति अध्यक्ष तीनों उप समितियों में से एक -एक सदस्य को आलेख एवं साक्ष्य उप समिति में नामित करते हैं। आलेख एवं साक्ष्य उप समिति संसदीय राजभाषा समिति की नीति निर्धारक उप समिति हैं। यह उप समिति संसदीय राजभाषा समिति के साक्ष्य कार्यक्रम प्रस्तावित करती हैं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के साथ विचार विमर्श करती हैं और महामहिम राष्ट्रपति को प्रस्तुत किए जाने वाले प्रतिवेदन का मसौदा तैयार करती हैं।

संसदीय राजभाषा समिति का कार्यालय 11-तीन मूर्ति मार्ग, नई दिल्ली-110011 में स्थित है। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा समय- समय पर भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुख्यालय एवं उपकार्यालयों का निरीक्षण किया जाता रहा है। अभी तक भारत मौसम विज्ञान विभाग के जिन –जिन कार्यालयों का निरीक्षण किया गया है उसकी सूची नीचे दी गई है :-

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा निरीक्षित कार्यालयों की सूची:-

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	निरीक्षण की तिथि
1.	मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय, मौसम भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003	11.08.1981, 13.10.1986, 16.04.1992, 05.07.2002, 08.04.2010

	मौविउमनि (उ.वा.उ) का कार्यालय, नई दिल्ली	29.09.2015 (नोट:-यह कार्यालय अक्तूबर 2016 से मुख्यालय के साथ मिल गया है)
2.	जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएँ पुणे	23.02.2018 (नोट: इस कार्यालय का निरीक्षण स्थगित कर दिया गया। संशोधित प्रश्नावली दोबारा जमा की गई)

प्रादेशिक मौसम केंद्र नई दिल्ली के नियंत्रणाधीन कार्यालय :-

3.	उपमहानिदेशक, प्रा.मौ.केंद्र नई दिल्ली-110003	30.06.2015 19.01.2019
4.	मौसम कार्यालय ,अमृतसर	01.01.2008 30.12.2016
5.	मौसम कार्यालय ,पालम	01.10.2010 24.04.2017
6.	मौसम कार्यालय ,सफदरजंग	01.11.2010 23.06.2016
7.	मौसम कार्यालय, भुंतर	28.05.2013
8.	प्रमुख वाष्पोत्सर्जन वेधशाला , पूसा	15.01.2011 (यह वेधशाला अब बंद हो गई है)

प्रादेशिक मौसम केंद्र मुंबई के नियंत्रणाधीन कार्यालय :-

9.	उपमहानिदेशक,प्रा.मौ.केंद्र मुंबई	03.07.2006, 17.01.2013, 15.01.2019
10.	मौसम कार्यालय , ओखा	26.09.2011, 18.01.2016
11.	मौसम कार्यालय , सांताक्रूज	20.05.2016
12.	मौसम केंद्र ,गोवा	16.01.2017
13	मौसम केंद्र , अहमदाबाद	27.02.2020

प्रादेशिक मौसम केंद्र चेन्नै के नियंत्रणाधीन कार्यालय :-

14	उपमहानिदेशक, प्रा.मौ.केंद्र चेन्नै	13.02.2015, 16.01.2020

15.	मौसम विज्ञान वेधशाला, कोझिकोड़	17.09.2008
16.	मौसम कार्यालय, कोडाइकनाल	08.07.2010
17.	विमानन मौसम कार्यालय ,कोयंबटूर	05.09.2015
18.	चक्रवात चेतावनी केंद्र ,विशाखापट्टनम	10.04.2015 (2) 08.09.2018
19.	विमानन मौसम कार्यालय ,चेन्नै	16.09.2016
20.	मौसम केंद्र ,बेंगलूरू	14.01.2017
21.	मौसम केंद्र, हैदराबाद	10.09.2016
22.	मौसम केंद्र ,तिरूवनंतपुरम	25.01.2018

प्रादेशिक मौसम केंद्र कोलकाता के नियंत्रणाधीन कार्यालय :-

23.	मौसम कार्यालय ,पुरी	10.06.2008
24.	मौसम केंद्र ,भुवनेश्वर	30.09.2015
25.	बाढ़ मौसम कार्यालय ,जलपाईगुड़ी	20.06.2016
26.	उपमहानिदेशक, प्रा.मौ.केंद्र कोलकाता	15.10.2016

प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर के नियंत्रणाधीन कार्यालय :-

27.	मौसम कार्यालय, ग्वालियर	14.09.2006
28.	मौसम केंद्र ,रायपुर	28.09.2007

प्रादेशिक मौसम केंद्र गुवाहाटी के नियंत्रणाधीन कार्यालय :-

29.	मौसम कार्यालय , इम्फाल	20.05.2017
30.	मौसम केंद्र, अगरतला	22.05.2017

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : जलवायु अनुसंधान और सेवाएं, पुणे

❖ *अपर्णा खेडकर , प्रमोद पारखे*

कनिष्ठ अनुवादक

हिंदी कार्यशाला

- कार्यालय में नियमित रूप से वर्ष के दौरान हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं जिनमें अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

निरीक्षण

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2) पुणे द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण प्रतियोगिता के लिए दिनांक 08 नवम्बर, 2019 को इस कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया । प्रतियोगिता में इस कार्यालय को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- दिनांक 22 नवम्बर, 2019 को क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), नवी मुम्बई की उपनिदेशक (कार्यान्वयन) महोदया द्वारा इस कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी औचक निरीक्षण किया गया । उन्होंने 'इस कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी सभी मदों पर संतोषजनक एवं सराहनीय कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
- हिंदी अनुभाग द्वारा अनुभागों का नियमित निरीक्षण किया जाता है । हाल ही में ई-लैब (सतह उपकरण), मौसम विज्ञान प्रशिक्षण संस्थान, केंद्रीय कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला और भंडार एवं क्रय अनुभागों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया गया ।

सम्मान

- 27 मई, 2019 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे द्वारा आयोजित राजभाषा निबंध प्रतियोगिता में इस कार्यालय से 8 कार्मिकों ने भाग लिया जिनमें से सुश्री पूनम चौरसिया, वै.सहा. को प्रथम पुरस्कार और सुश्री आंचल कुशवाहा, वै.सहा. को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ ।
- सरकारी कामकाज में टिप्पणी और मसौदा मूल रुप से हिंदी में लिखने के लिए प्रोत्साहन योजना (2018-19) के अंतर्गत इस कार्यालय के श्री एस.बी.शिंदे, सहायक को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे द्वारा दिनांक 22.11.2019 को आयोजित हिंदी कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण प्रतियोगिता में इस कार्यालय को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हिंदी सम्मेलन एवं संगोष्ठी

- 27 मई 2019 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे में आयोजित एक दिवसीय राजभाषा सम्मेलन में कार्यालय से डॉ. सोमनाथ दत्ता, वैज्ञानिक–एफ, श्रीमती ए.एम. खेडकर, कनिष्ठ अनुवादक और श्री पी.बी. पारखे, कनिष्ठ अनुवादक ने भाग लिया।
- दिनांक 28 और 29 मई 2019 को मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा हैदराबाद में आयोजित " विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकों के माध्यम से मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाएँ एवं

राजभाषा" से " जुड़े विषयों पर सातवीं अखिल भारतीय विभागीय संगोष्ठी में डॉ. अनुपम काश्यपि, वैज्ञानिक 'एफ', श्रीमती दिव्या सुरेंद्रन, वैज्ञानिक 'बी', श्रीमती लता श्रीधर, मौ.वि. 'ए', श्रीमती सुनीता भंडारी, मौ.वि. 'ए',श्रीमती स्मिता नायर, मौ.वि. 'ए' और श्रीमती ए.एम.खेडकर,कनिष्ठ अनुवादक ने पावर प्वाइंट से प्रस्तुतिकरण दिए।

- दिनांक 26 सितम्बर, 2019 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2), भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे में आयोजित कवि सम्मेलन में इस कार्यालय से आमंत्रित श्री मनोज कुमार, वैज्ञानिक सहायक द्वारा काव्य-पाठ किया गया।

बैठक

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का-2) की बैठकों में नियमित रूप से भाग लिया जाता है । हिंदी शिक्षण योजना, पुणे कार्यालय द्वारा भारत सरकार के केंद्रीय कार्यालयों/बैंको/उपक्रमों तथा निगमों के संपर्क अधिकारियों की बैठक का आयोजन दिनांक 16 जुलाई, 2019 को सर्वकार्यप्रभारी अधिकारी का कार्यालय, रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (द.क.) कार्यालय में हुआ । इस बैठक में डॉ. ए.के.श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ', श्रीमती ए.एम.खेडकर, कनिष्ठ अनुवादक और श्री पी.बी.पारखे, कनिष्ठ अनुवादक ने भाग लिया।

हिंदी पखवाड़ा

- हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है जिसमें विभाग के सभी कार्मिक बढ़चढ़ कर भाग लेते है।
- गत वर्ष दिनांक 20.09.2019 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। डॉ हिमांशु शेखर वैज्ञानिक "जी" निदेशक ए.आर.डी पाषाण पुणे समारोह के मुख्य अतिथि रहे । इस अवसर पर उन्होने अपने भाषण में हिंदी भाषा का महत्व और प्रचार से संबंधित अपने विचार प्रकट किए । विभाग प्रमुख श्री के.एन. मोहन, वैज्ञानिक 'एफ' ने कार्यालय में हिंदी का किस तरह प्रयोग करना चाहिए इस पर अपने विचार प्रकट किए । डॉ ए.के.श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' एवं हिंदी समिति के उपाध्यक्ष ने हिंदी कविता के माध्यम से हिंदी को बढ़ावा देने के संबंध में अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर नाटक का मंचन भी किया गया। राजभाषा में सर्वाधिक कार्य करने वाले कर्मचारी को पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रकाशन

- कार्यालय के अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा वैज्ञानिक/ सामान्य/भाषा संबंधी तथा अन्य विषयों पर लिखे गए लेखों/ कविताओं का संकलन करके कार्यालय की हिंदी पत्रिका "किरणें" का प्रकाशन भी किया जाता है। गत वर्ष जिसका विमोचन राजभाषा पखवाड़ा समारोह के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ हिमांशु शेखर, वैज्ञानिक "जी" निदेशक ए.आर.डी,पाषाण तथा जलवायु अनुसंधान एवं सेवाएं के कार्यभारी प्रमुख श्री के.एन.मोहन द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी

- छात्रों और आम जनता के लिए प्रति वर्ष 28 फरवरी को विश्व विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है। जिसमें कार्यालय में प्रयुक्त अनेक उपकरणों एवं यहाँ की कार्यप्रणाली से संबंधित एक प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।
- छात्रों और आम जनता के लिए हर वर्ष 23 मार्च को विश्व मौसम दिवस का आयोजन किया जाता है और इस से संबंधित अनेक उपकरणों एवं इनकी जानकारी प्राप्त करने संबंधी कार्यप्रणाली को दर्शाने के लिए प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की जाती है।

कार्यालय में वैज्ञानिक प्रकाशन एवं वेबसाइट का कार्य

- हर माह का जलवायु नैदानिक बुलेटिन द्विभाषी रुप में प्रकाशित किया जाता है।
- कार्यालय की वेबसाइट को हिंदी में भी तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। होमपेज द्विभाषी रूप में तैयार किया गया है।
- डेटा सप्लाई पोर्टल द्विभाषी है।
- अनेक प्रकाशनों के मुखपृष्ठ तथा आमुख और सार अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी दिए जाने आरम्भ किए गए।

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई

❖ *वल्सला जोगलेकर*
वरिष्ठ अनुवादक

प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई, "ख" क्षेत्र में स्थित है तथा राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य से अधिक कार्य कर रहा है । राजभाषा की इस प्रगति को लेखाचित्र के साथ प्रस्तुत किया गया है।

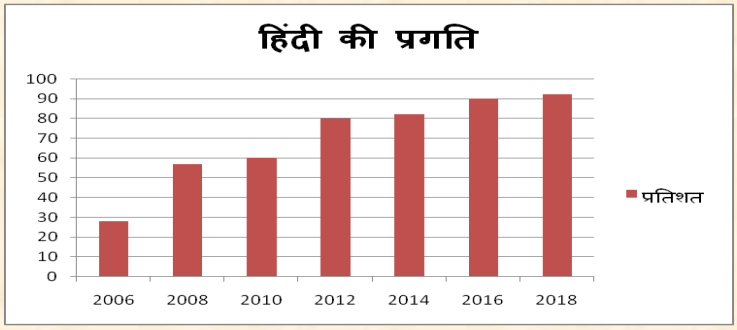

पिछले कुछ वर्षों में कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की प्रगति बहुत महत्वपूर्ण रही है और राजभाषा के प्रयोग को कार्यालय में लागू करने के लिए हिंदी अनुभाग के साथ शुरू हुई यात्रा, बहुत जल्दी सभी अनुभागों / अधीनस्थ कार्यालयों का संयुक्त कार्य बन गया, जिसमें सबने रूचिपूर्वक भाग लिया।

कार्यालय में हिंदी की प्रगति के लिए कार्यालय के हिंदी अनुभाग द्वारा एक सुव्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाया गया। श्रीमती शुभांगी भुते, वै-ई /हिंदी संपर्क अधिकारी और श्रीमती वल्सला जोगलेकर, व.अनुवादक तथा उनकी टीम के सार्थक प्रयासों से हिंदी के कार्य में उन्नति हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का मार्गदर्शन हमेशा बहुत उत्साहजनक रहा।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति –निरीक्षण

प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई एवं इसके अधीनस्थ मौसम कार्यालयों में माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा अभी तक किए गए 11 निरीक्षणों का विवरण प्रस्तुत है:-

कार्यालय	निरीक्षण
• प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई	03/07/2006
• मौसम कार्यालय , सांताक्रुज़	05/12/2008
• मौसम वेधशाला, ओखा	26/09/2011
• प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई	06/01/2012
• प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई (साक्ष्य एवं आलेख)	17/06/2012
• प्रादेशिक मौसम केंद्र ,मुंबई	17/01/2013
• मौसम वेधशाला , ओखा	18/01/2016
• मौसम कार्यालय, सांताक्रुज़, मुंबई	20/05/2016
• मौसम केंद्र , गोवा	16/01/2017
• प्रादेशिक मौसम केंद्र मुंबई	15/01/2019

- मौसम केंद्र ,अहमदाबाद 27/02/2020

संयुक्त हिंदी कार्यशाला

प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई द्वारा दूर-दराज स्थित मौसम कार्यालयों की संयुक्त हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रूचि बढ़ती है। अब तक निम्न कार्यालयों (गुजरात / महाराष्ट्र क्षेत्रों) में ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:-

संयुक्त हिंदी कार्यशाला -प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई और मौसम कार्यालय अहमदाबाद, डी.डब्ल्यू.आर, भुज

हिंदी संगोष्ठी

मुख्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर मंत्रालय /अन्तरविभागीय हिंदी संगोष्ठी- शिलॉग एवं तिरुवनंथपुरम में इस केंद्र से अधिकारियों/कर्मचारियों ने व्याख्यान दिए। |

पुरस्कार

1. नराकास, मुंबई द्वारा छोटे कार्यालयों की श्रेणी में राजभाषा शील्ड 2011-12 , 2012-13 तथा 2016 में प्राप्त हुई।
2. आशीर्वाद संस्थान द्वारा अनेक बार केंद्र को हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

केंद्र तथा अधिकारियों को राजभाषा सम्मान

- श्री के .एस होसालिकर, वैज्ञानिक "एफ"
- श्रीमती शुभांगी भुते, वैज्ञानिक "ई"
- श्रीमती वल्सला जोगलेकर, वरिष्ठ अनुवादक
- नराकास द्वारा आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में केंद्र के अधिकारी एवं कर्मचारी पुरस्कृत हुए।
- श्री आर. बी. एस नारायण, मौ. वि. "बी" को विभागीय हिंदी गृह पत्रिका मौसम मंजूषा में प्रकाशित लेख के लिए महामहिम राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के स्थापना दिवस-2019 के अवसर पर प्रा. मौ .केंद्र मुंबई के वैज्ञानिक "एफ"

श्री के .एस होसालिकर को माननीय मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया ।

- पवन गुब्बारा वेधशाला, रत्नागिरी को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रत्नागिरी द्वारा "राजभाषा सम्मान" - 2019 प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण

प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई ने प्रशिक्षण में 99% लक्ष्य प्राप्त किया है | कार्यालय में कार्यरत सभी अधिकारी / कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित हैं ।

विशेष हिंदी प्रशिक्षण सत्र

केंद्र ने एम.टी.एस. कर्मचारियों के लिए राजभाषा विभाग, मुंबई के साथ विशेष हिंदी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन सफलतापूर्वक किया।

निरीक्षण

राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अधीनस्थ मौसम कार्यालयों का हिंदी प्रगति संबंधी निरीक्षण किया जाता है। निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करते हुए अब तक निम्नलिखित कार्यालयों का हिंदी प्रगति संबंधी निरीक्षण किया गया तथा ऐसे निरीक्षणों के पश्चात इन कार्यालयों के हिंदी कार्य / पत्राचार में काफी प्रगति देखी गई।

मौसम कार्यालय, सांताक्रूज़, मौसम कार्यालय , सोलापुर, पवन गु. वेधशाला, रत्नागिरी, मौ.का, नासिक, मौ.का, वड़ोदरा, सूरत, मौ.का, औरंगाबाद, भू. वे.लातूर, मौ. के, अहमदाबाद, मौ.का. द्वारका, ओखा, कांडला, नलिया, भुज, सतारा, परभणी, सांगली, कोल्हापुर, कराड, ओखा, मर्मागोवा, मौ. के, गोवा आदि का निरीक्षण किया गया।

हिंदी दिवस/ पखवाड़ा समारोह

प्रादेशिक मौसम केंद्र एवं अधीनस्थ मौसम कार्यालय हर वर्ष, माह सितंबर में हर्षोल्लास के साथ राजभाषा दिवस/ पखवाड़ा मनाते हैं। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है तथा प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है | इसके पश्चात् अधीनस्थ मौसम कार्यालयों में हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया जाता है।

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर

❖ *शांता उन्नीकृष्णन*
वरिष्ठ अनुवादक

वार्षिक कार्यक्रम

राजभाषा नियमों के अनुरूप कार्यालय में वर्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार तिमाही बैठकों का आयोजन किया जाता है। कार्यालय में प्रतिवर्ष वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशालाओं में मुख्य रूप से कार्मिकों को हिंदी टिप्पण लेखन और पत्राचार के विविध प्रकारों के लेखन का प्रशिक्षण दिया जाता है। कम्प्यूटर पर राजभाषा के सुगम और शीघ्र लेखन के तकनीकी ज्ञान के साथ विषयों के प्रस्तुतिकरण में पॉवर प्वाइंट जैसी तकनीकी विधाओं के प्रशिक्षण का प्रयास निरन्तर जारी है।

हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यालयीन कामकाज में हिंदी को अपनाने और कार्य विधि को सुगम करने हेतु कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। राजभाषा प्रचार- प्रसार के दृष्टिकोण से ये प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी सार्थक सिद्ध हुए हैं। हिंदी प्रबोध/ प्रवीण/ प्राज्ञ प्रशिक्षण के कार्यक्रम के तहत कार्यालय के 98% कार्मिक प्रशिक्षित हो चुके हैं तथा राजभाषा के पारंगत प्रशिक्षण में कुल 104 कार्मिकों में से 67 कार्मिकों ने सफल और उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रस्तुत करते हुए हमारे कार्यालय का मान बढ़ाया है।

हिंदी गृह पत्रिका " ऋतुरंग"

कार्यालय के प्रशासनिक कामकाज के अतिरिक्त हिंदी के प्रति अभिरुचि बढाने तथा कर्मचारियों/अधिकारियों में विद्यमान प्रतिभाओं को उभारने के दृष्टिकोण से कार्यालय द्वारा गृह पत्रिका " ऋतुरंग" के प्रकाशन का निर्णय लिया गया। इसके पहले अंक का विमोचन सन 2014 में किया गया था।हाल ही में इसके पाँचवें अंक का विमोचन हैदराबाद में आयोजित सातवीं अखिल भारतीय विभागीय हिंदी संगोष्ठी के दौरान, हैदराबाद विश्वविद्यालय के राजभाषा विभागाध्यक्ष श्रीमान व्ही. कृष्णा जी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। "ऋतुरंग" में विभागीय कर्मचारियों की स्वरचित हिंदी कविता, कहानी, लेख, वैज्ञानिक लेख आदि को समुचित स्थान मिलता है।

कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रशिक्षण

कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण हेतु आयोजित कार्यशालाओं में यूनिकोड में कार्य करने के प्रशिक्षण को भी आशानुकूल सफलता मिली है। कार्यालय के अधिकांश कम्प्यूटरों में 'यूनिकोड सॉफ्टवेयर' उपलब्ध है। इस प्रशिक्षण के बाद कर्मचारी/ अधिकारी पहले की तुलना में अब अधिक सहजता से हिंदी का कार्य करने में सक्षम हुए हैं।

मौसमी घटनाओं की सूचना

कार्यालय द्वारा मौसमी घटनाओं के विवरण, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) रूप में जारी की जाती हैं। कृषि मौसम पूर्वानुमान और परामर्श भी हिंदी में जारी किए जाते हैं। मौसम सम्बन्धी सभी सूचनाएं समाचारों के विभिन्न प्रसार माध्यमों को सुगमतापूर्वक पहुँचाने के उद्देश्य से हिंदी भाषा में भी जारी की जाती हैं। इसके संवर्धन के लिए तथा मौसम की सूचनाओं, पूर्वानुमानों को जन उपयोगी बनाने हेतु इसकी कार्यशैली को सुगम बनाने के लिए मीडिया प्रतिनिधियों की कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं । विगत मई में एक दिवसीय मीडिया प्रतिनिधि कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के मौसम वैज्ञानिकों के साथ कार्यालय प्रमुख उपमहानिदेशक श्री एम. एल.साहू का व्याख्यान हुआ, जिसमें कई मौसम पूर्वानुमानों के प्रस्तुतिकरण के विभिन्न बिंदुओं पर हिंदी मे सारगर्भित चर्चा हुई ।

हिंदी प्रोत्साहन योजनाएं

हिंदी में कार्यप्रवाह को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत कार्यालय के कार्मिकों ने नकद पुरस्कार प्राप्त किए है। प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर के अधीन सभी मौसम केंद्रों एवं वेधशालाओं में हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले कार्यालय को प्रति वर्ष सितम्बर में हिंदी पखवाड़े के समापन अवसर पर

राजभाषा शील्ड प्रदान कर कार्यालय का सम्मान किया जाता है। इस वर्ष की हिंदी राजभाषा शील्ड, मौसम कार्यालय इंदौर को प्रदान की गई है।

हिंदी अनुवाद कार्य

नागपुर के मौसमी आंकड़ों के विश्लेषण करते हुए तैयार किए गए 'क्लाइमेट ऑफ नागपुर' का हिंदी अनुवाद कार्य सफलतापूर्वक प्रतिपादित करते हुए 'नागपुर की जलवायु' के रूप में प्रकाशित किया गया।

नराकास में कार्यालय की सहभागिता

नगर राजभाषा कार्यान्यवयन समिति की छमाही बैठकों में कार्यालय प्रमुख स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से अपने कार्यालय में हिंदी में कामकाज के सम्पूर्ण लेखा- जोखा का विवरण प्रस्तुत करते हैं। नराकास द्वारा आयोजित सभी बैठकों में शत-प्रतिशत भागीदारी रहती है। इसके अलावा कार्मिक नराकास की विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हो कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार भी प्राप्त करते हैं। नराकास की 2018 की अन्तर कार्यालयीन हिंदी टिप्पण प्रतियोगिता में हमारे कार्यालय की प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती भारती परावे ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया तथा श्री रोहित राय को निबन्ध प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ। नराकास द्वारा 2018 में प्रकाशित पत्रिका राजनाग एक्सप्रेस में श्री ए.वि.गोड़े , मौसम विज्ञानी का 'प्रासंगिक गांधीवाद' तथा आशुलिपिक श्री जतिन कुमार की कविता 'स्वच्छ भारत का सपना' प्रकाशित हुई और उन्हें प्रोत्साहन राशि भी दे कर सम्मानित किया गया।

कार्यालय की विशिष्ट तिथियां और राष्ट्रीय उत्सव

विश्व मौसम दिवस, पृथ्वी विज्ञान दिवस, पर्यावरण दिवस, स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस हों या योग दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा, सतर्कता एवम जागरूकता सप्ताह , अम्बेडकर जयन्ती, शिवाजी जयंती, कार्यालय में मनाया जाने वाला कोई भी उत्सव हो, इनका संचालन व प्रस्तुतिकरण हिंदी के बृहत होते आयामों को पुष्ट करता है। मौसम विज्ञान दिवस की आकर्षक प्रदर्शनी हो या आगन्तुकों से संवाद, हमारे कार्मिकों ने अधिकाधिक हिंदी को अपना कर कार्यालय का गौरव बढ़ाया है। हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम में हिंदी संवर्धन और विकास के लिए कर्मचारियों की भागीदारी सराहनीय रही है।

राजभाषायी निरीक्षण

मुख्यालय नई दिल्ली से उपनिदेशक (राजभाषा) सुश्री रेवा शर्मा एवं श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने नागपुर कार्यालय का निरीक्षण किया और राजभाषा हिंदी के सभी बिंदुओं पर समुचित चर्चा करते हुए दिशानिर्देश दे कर मार्गदर्शन किया है। मौसम केंद्र रायपुर, मौसम केन्द्र भोपाल और मौसम कार्यालय जबलपुर का भी राजभाषायी निरीक्षण श्री जे.आर.प्रसाद, वैज्ञानिक "ई" द्वारा किया गया ।

राजभाषा की प्रगति के अन्य सोपान

- राजभाषा नियम 8(4) के अंतर्गत कार्यालय के पांच अनुभागों को सम्पूर्ण कार्य हिंदी में किए जाने हेतु विनिर्दिष्ट किया गया है। ये अनुभाग हैं - प्रशासन अनुभाग, जलवायु अनुभाग, अनुसंधान अनुभाग, आर.आई.एम.सी. तथा आर.एम.एस.यू. अनुभाग।
- राजभाषा नियम 1976 के नियम 10(4) के अनुरूप प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर, मौसम केंद्र भोपाल, मौसम केंद्र रायपुर, मौसम कार्यालय इंदौर और मौसम कार्यालय जगदलपुर को भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है तथा इस श्रेणी में मौसम कार्यालय जबलपुर और अम्बिकापुर को अधिसूचित करने का कार्य प्रगति पर है।
- कार्यालय का वेब पेज द्विभाषी रूप में तैयार किया गया है जिसमें जलवायु विवरण नियमित रूप से द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है।
- कार्यालय द्वारा नियमित रूप से "आज का शब्द" द्विभाषी रूप में उद्धृत किया जाता है।
- स्थानीय कार्यालय सहित सभी अधीनस्थ कार्यालयों के प्रभारी अधिकारियों को पत्राचार एवं टिप्पणी लेखन में अधिकाधिक हिंदी के प्रयोग हेतु नियमित दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं।
- कार्यालय के सभी प्रकार के नामपट्ट, पंजियों , फाइलों और सील मुहरों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है।
- कार्यालय के प्रगति विवरण नियमित रूप से मेटनेट पर अपलोड होता है । प्रा.मौ.के, नागपुर द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिका 'ऋतुरंग' के सभी अंक कार्यालय के वेब पेज पर उपलब्ध हैं।
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत-प्रतिशत अनुपालन हो रहा है।

सभी अनुभागों के प्रभारी अधिकारी और कर्मचारियों का यह समन्वित प्रयास है कि हम राजभाषा को उसका वास्तविक दर्जा देने की दिशा में आगे बढ़ते रहे ।

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली

❖ *पूनम सिंह*

मौसम विज्ञानी "ए"

प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली "क" क्षेत्र में स्थित है तथा राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य कर रहा है।

राजभाषा के प्रयोग को कार्यालय में लागू करने के लिए सभी अनुभागों / अधीनस्थ कार्यालयों रूचिपूर्वक भाग ले रहे हैं। अधीनस्थ कार्यालय और उपकार्यालय कार्यालय में हिंदी में काम को आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रादेशिक मौसम केंद्र, दिल्ली एवं अधीनस्थ मौसम कार्यालयों में माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा अभी तक जिन कार्यालयों का निरीक्षण किया गया है वे इस प्रकार हैं -

- प्रादेशिक मौसम केंद्र, दिल्ली
- मौसम केंद्र श्रीनगर
- मौसम कार्यालय, पालम
- मौसम कार्यालय सफदरजंग
- मौसम कार्यालय अमृतसर
- मौसम कार्यालय भुंतर

प्रादेशिक मौसम केंद्र, दिल्ली का माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 19.01.2019 को निरीक्षण किया गया।

प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली का माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 30.06.2015 को निरीक्षण किया गया |

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 27.07.2016 को मौसम कार्यालय सफदरजंग का निरीक्षण किया गया।

प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली का माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा दिनांक 02.09.2016 को मौखिक साक्ष्य निरीक्षण किया गया।

प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली अपने कार्यालयों का तकनीकी निरीक्षण करते समय राजभाषा का निरीक्षण भी करता है। इस कार्यालय में कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। सभी मौसम केंद्र हिंदी पखवाड़ा का आयोजन करते हैं। तीन वर्ष लगातार हिंदी में बेहतर कार्य करने हेतु मुख्यालय द्वारा प्रदान की गई राजभाषा चलशील्ड स्थाई रूप से प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली के पास है।

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : प्रादेशिक मौसम केंद्र, गुवाहाटी

❖ *आशीष कुमार*
वैज्ञानिक "बी"

- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक तीन माह में निरंतर रूप से आयोजित की जाती है जिसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया जाता है -

➢ राजभाषा नियम -5 के अंतर्गत आने वाले हिंदी पत्रों के उत्तर हिंदी में देना अनिवार्य है।

➢ कार्यालय में हिंदी जानने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मूल रूप से अपना कार्य हिंदी में करना है।

➢ सेवा अभिलेखों/ सेवा पुस्तिकाओं एवं रजिस्टरों के शीर्षक तथा शीर्ष नाम द्विभाषी होने चाहिए। साथ ही साथ सभी प्रविष्टियाँ हिंदी में की जाएं।

➢ प्रत्येक महीने जारी किए गए पत्रों का हिसाब प्रत्येक अनुभाग को रखना अनिवार्य है।

➢ राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के बारे में उपमहानिदेशक महोदय ,प्रादेशिक मौसम केंद्र, गुवाहाटी द्वारा निदेश दिया जाता है।

- नियमित रूप से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिसमे कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को "क " तथा "ख" क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों को भेजे जाने बाले पत्रों के लिफाफों पर पते राजभाषा में लिखने हेतु कहा जाता है। हिंदी पत्राचार का लक्ष्य प्राप्त करने और नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जाते हैं।
- इस वर्ष 2019 में हिंदी की 24000/- रूपए की पुस्तकों की खरीद के लिए आदेश पत्र जारी किया गया है।
- कार्यालय के अप्रशिक्षित कार्मिकों को प्रत्येक वर्ष हिंदी शिक्षण योजना के तहत आयोजित किए जाने वाले हिंदी प्रशिक्षण पाठयक्रम (प्रबोध, प्रवीण , प्राज्ञ एवं पारंगत) एवं हिंदी टाइपिंग व हिंदी आशुलिपि के लिए नामित किया जाता है ।
- कार्यालय द्वारा नराकास (नगर राजभाषा कार्यान्वन समिति) गुवाहाटी द्वारा आयोजित होने वाली बैठक एवं उस बैठक में लगाई जाने वाली राजभाषा प्रदर्शनी में भाग लिया जाता है।
- कार्यालय के अधिकारियों ने भारत सरकार , गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वोत्तर क्षेत्र), गुवाहाटी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय हिंदी संगोष्ठी में भाग लिया।
- प्रत्येक वर्ष सितम्बर महीने में हिंदी पखवाड़े / हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया जाता है।
- प्रादेशिक मौसम केंद्र, गुवाहाटी के प्रमुख डॉ. संजय ओनील शॉ, उपमहानिदेशक हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए कार्मिकों को प्रेरित करते हैं एवं कार्यालय के विभिन्न कार्यकलापों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़े के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं (हिंदी शब्द अनुवाद, टिप्पणी लेखन, पत्र तथा परिपत्र लेखन, वाद – विवाद ,तात्कालिक भाषण, एवं कविता पाठ प्रतियोगिता) का आयोजन किया जाता है जिसमे सभी अधिकारी व कर्मचारी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

- हिंदी दिवस व हिंदी पखवाड़े के अवसर पर एक अनुभाग को प्रत्येक वर्ष "हिंदी गौरव" पुरस्कार दिया जाता है जिसने हिंदी में अधिकाधिक कार्य किया हो तथा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने वाले व्यक्ति को भी "हिंदी रत्न" पुरस्कार दिया जाता है।
- 4-5 दिसंबर 2017 को शिलाँग में अखिल भारतीय अंतर मंत्रालय/ अंतर विभागीय हिंदी संगोष्ठी का मुख्यालय, प्रादेशिक मौसम केंद्र, गुवाहाटी तथा केंद्रीय भूकंप वेधशाला की देखरेख में शिलाँग में सफल आयोजन किया गया।

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : प्रादेशिक मौसम केंद्र ,कोलकाता

❖ *नीलोत्पल चतुर्वेदी*
कनिष्ठ अनुवादक

- राजभाषा विभाग की हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी भाषा प्रशिक्षण कक्षाओं की नियमित व्यवस्था जनवरी 2017 सत्र से कार्यालय में ही की गई है । वर्तमान में जनवरी-मई 2020 सत्र की प्राज्ञ कक्षाएं कार्यालय में ही आयोजित की जा रहीं हैं ।
- अखिल भारतीय विभागीय हिंदी संगोष्ठी में इस कार्यालय के कार्मिक नियमित रूप से भाग ले रहे हैं । दिनांक 28.05.2019 से 29.05.2019 तक मौसम केंद्र , हैदराबाद में आयोजित अखिल भारतीय विभागीय हिंदी संगोष्ठी में कार्यालय के श्री सुमन चट्टोपाध्याय, मौसम विज्ञानी – बी एवं श्री नीलोत्पल चतुर्वेदी, कनिष्ठ अनुवादक ने भाग लिया ।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा 13.09.2019 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौसम केंद्र ,भुवनेश्वर से डॉ. शशि कांत, वैज्ञानिक 'सी' ने भाग लिया और "वायु प्रदूषण तथा तटीय प्रदूषण: मानव एवं प्रकृति पर प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया ।
- खगोल विज्ञान केंद्र, कोलकाता में आयोजित हिंदी कार्यशाला में श्री नीलोत्पल चतुर्वेदी, कनिष्ठ अनुवादक राजभाषा नीति आदि पर व्याख्यान देते हैं ।
- 11 सितम्बर 2019 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में कार्यालय की ओर से डॉ. संजीव बंद्योपाध्याय, उपमहानिदेशक, डॉ. जी के.दास, वैज्ञानिक 'ई' एवं श्री नीलोत्पल चतुर्वेदी, कनिष्ठ अनुवादक ने भाग लिया ।
- प्रादेशिक मौसम केंद्र, कोलकाता में हिंदी पखवाड़ा/ दिवस समारोह का आयोजन भी किया जाता है । गत वर्ष यह समारोह दिनांक 01.09.2019 से 16.09.2019 तक आयोजित किया गया । मुख्य समारोह कार्यालय प्रमुख डॉ. संजीव बंद्योपाध्याय, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक की अध्यक्षता में दिनांक 16.09.2019 को कार्यालय के संगोष्ठी कक्ष में संपन्न हुआ तथा जिसमें कार्यालय के सभी कार्मिक उपस्थित रहे । इस समारोह में विशेष आग्रह पर राजभाषा विभाग के हिंदी प्राध्यापक श्री शोभित सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित हुए ।
- 16 सितम्बर 2019 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यालय की हिंदी गृह पत्रिका "पूर्वाशा" के द्वितीय अंक का विमोचन किया गया ।
- राजभाषा कार्यान्वयन हेतु विशेष प्रयास करने के लिए मौ.के.गंगटोक को वर्ष 2019 के लिए विभाग के 145वें स्थापना दिवस के अवसर पर 15.01.2020 को विभागीय राजभाषा शील्ड प्रदान की गई ।

राजभाषा हिंदी का संवर्धन एवं कार्यान्वयन : प्रादेशिक मौसम केंद्र , चेन्नै

❖ *डॉ के. वी बालसुब्रहमणियन*
मौसम विज्ञानी - बी

- प्रादेशिक मौसम केंद्र चेन्नै भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।
- 2010 से चेन्नै द्वारा हिंदी गृह-पत्रिका 'पवनदूत' प्रकाशित की जा रही है।
- प्रादेशिक मौसम केंद्र चेन्नै के कार्मिकों के हिंदी मे लिखे लेख मुख्यालय की हिंदी गृह-पत्रिका मौसम मंजूषा में प्रकाशित होते हैं।
- मौसम मंजूषा में प्रकाशित लेख 'बवंडर' के लिए डॉ के वी बालसुब्रहमणियन मौसम विज्ञानी - बी को 14.09.2015 को हिंदी दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति जी ने प्रथम पुरस्कार प्रदान किया ।
- माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा प्रादेशिक मौसम केंद्र चेन्नै एवं नियंत्रणाधीन कार्यालयों का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण से मिले मार्गदर्शन से कार्यालयों में हिंदी में कार्य किया जाने लगा है।

- नराकास की बैठकों में कार्यालय प्रमुख स्वयं भाग लेते हैं।
- प्रादेशिक मौसम केंद्र चेन्नै एवं नियंत्रणाधीन कार्यालयों में हिंदी दिवस/ हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है।
- प्रादेशिक मौसम केंद्र- चेन्नै में आयोजित संगोष्ठी में दिनांक 17.12.19 को डॉ के. वी. बालसुब्रहमणियन, मौसम विज्ञानी 'बी' की हिंदी में लिखी पुस्तक 'आपदा न्यूनीकरण में भारत मौसम विज्ञान विभाग की

भूमिका' का विमोचन किया गया। यह पुस्तक माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा प्रादेशिक मौसम केंद्र – चेन्नई के निरीक्षण के उपरांत समिति की संयोजक प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी को भेंट की गई ।

- अखिल भारतीय विभागीय हिंदी संगोष्ठियों में भाग लिया जाता है।

- 17 दिसंम्बर 2019 को प्रादेशिक मौसम केंद्र चेन्नै द्वारा हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें चेन्नै के महिला कॉलेजों की छात्राओं ने भाग लिया। साथ ही विभाग के अधिकारियों ने भी हिंदी में प्रेजेंटेशन दिए।

राजभाषा नियमावली 1976 (यथासंशोधित 1987) के नियम 10 (4) के अंतर्गत अधिसूचित किए गए कार्यालय

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी है। संविधान में उल्लिखित संघ की राजभाषा नीति को कारगर तरीके से लागू करने के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा कई अधिनियम, नियम और संकल्प बनाए गए तथा राष्ट्रपति महोदय द्वारा आदेश भी पारित किए गए। इसी श्रृंखला में संसद द्वारा पारित किए गए राजभाषा अधिनियम 1963 को लागू करने के लिए सरकार ने राजभाषा अधिनियम 1976 (यथासंशोधित 1987) बनाया जिनको राजभाषा नियम 1976 कहा जाता है।

वर्ष 1976 में राजभाषा नियमावली 1976 पारित हुई जिसके अनुसार भारत सरकार के कार्यालयों में काफी पत्राचार और अन्य काम हिंदी में करना अनिवार्य किया गया। इस नियम के अंतर्गत कुल 12 नियम बनाए गए।

इन्हीं नियमों में नियम 10(4) के अंतर्गत यह उल्लेख किया गया कि "केंद्रीय सरकार के जिन कार्यालयों के 80% प्रतिशत या इससे अधिक कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है उन कार्यालयों के नाम राजपत्र में अधिसूचित किए जाएंगे;

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार की राय है कि किसी अधिसूचित कार्यालय में काम करने वाले और हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों का प्रतिशत किसी तारीख से उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रतिशत से कम हो गया है तो वह राजपत्र में अधिसूचना द्वारा घोषित कर सकती हैं कि उक्त कार्यालय उक्त तारीख से अधिसूचित कार्यालय नहीं रह जाएगा।

उक्त नियम को आधार मानकर भारत मौसम विज्ञान विभाग के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों को चरणबद्ध तरीके से हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण दिलाया गया और निर्धारित लक्ष्य पूरा होने के उपरांत कार्यालयों को अधिसूचित कराया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग का मुख्यालय 'क' क्षेत्र (दिल्ली) में स्थित होने के कारण यहाँ कार्यसाधक ज्ञान का प्रतिशत पहले प्राप्त कर लिया गया और सबसे पहले वर्ष 1978 में मुख्यालय नई दिल्ली को अधिसूचित किया गया।

अभी तक भारत मौसम विज्ञान विभाग के कुल 45 कार्यालयों को अधिसूचित किया जा चुका है जिसका विवरण इस प्रकार है:-

क्र.सं.	कार्यालय का नाम	अधिसूचित करने की तिथि
1.	मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय, नई दिल्ली	24 अक्तूबर, 1978
2.	मौसम विज्ञान के अपरमहानिदेशक (अनु.) पुणे	16 सितम्बर, 1987
3.	मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (सतह उपकरण प्रभाग) पुणे	16 सितम्बर, 1987
4.	मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (मौसम पूर्वानुमान) पुणे	16 सितम्बर, 1987
5	मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान) पुणे	16 सितम्बर,1987
6	मौसम केंद्र ,लखनऊ	29 मई,1991
7	मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (उ.वा.उ.) नई दिल्ली	27 जनवरी 2007

8	प्रादेशिक मौसम केंद्र, नागपुर	27 जनवरी 2007
9	प्रादेशिक मौसम केंद्र ,नई दिल्ली	27 जनवरी 2007
10	खगोल विज्ञान केंद्र ,कोलकाता	27 जनवरी 2007
11	प्रादेशिक मौसम केंद्र, मुंबई	27 जनवरी 2007
12	मौसम कार्यालय/रेडियो सौंदे/रेडियो विंड, ग्वालियर	27 जनवरी 2007
13	मौसम केंद्र, भोपाल	11 अगस्त 2007
14	मौसम केंद्र, जयपुर	11 अगस्त 2007
15	नागर विमानन प्रशिक्षण केंद्र बमरौली	11 अगस्त 2007
16	मौसम केंद्र, अहमदाबाद	05 नवम्बर2007
17	मौसम केंद्र ,चंडीगढ़	05 नवम्बर2007
18	मौसम केंद्र , रायपुर	05 नवम्बर2007
19	मौसम कार्यालय, बैरागढ़	05 नवम्बर2007
20	मौसम कार्यालय सातांक्रुज, मुंबई	23 जनवरी 2009
21	मौसम कार्यालय, पुरी	04 दिसम्बर 2009
22	मौसम कार्यालय रेडियो सौंदे/रेडियो विंड जोधपुर	04 दिसम्बर 2009
23	मौसम केंद्र, भुवनेश्वर	11 जनवरी,2011
24	मौसम कार्यालय, सफदरजंग हवाई अड्डा	11 जनवरी 2011
25	हाइड्रोजन गैस फैक्ट्री आगरा	11 जनवरी 2011
26	रेडियो सौंदे/रेडियो पवन वेधशाला, पटियाला	11 जनवरी 2011
27	मौसम कार्यालय -पालम	11 जनवरी 2011
28	केंद्रीय भूकंप वेधशाला शिलांग	26 फरवरी 2018
29	मौसम केंद्र, गोवा	26 फरवरी 2018
30	चक्रवात संसूचन रेडार, भुज	26 फरवरी 2018
31	मौसम कार्यालय, सोलापुर	26 फरवरी 2018
32	मौसम कार्यालय ,नासिक	26 फरवरी 2018
33	पवन सूचक गुब्बारा वेधशाला, डीसा	26 फरवरी 2018
34	मौसम कार्यालय ,वडोदरा	26 फरवरी 2018

35	मौसम कार्यालय, ओखा	26 फरवरी 2018
36	मौसम कार्यालय, द्वारका	26 फरवरी 2018
37	मौसम कार्यालय ,नलिया	26 फरवरी 2018
38	मौसम कार्यालय ,दीव	26 फरवरी 2018
39	मौसम कार्यालय ,जगदलपुर	26 फरवरी 2018
40	मौसम कार्यालय, सिविल एरोड्रोम भुंतर	26 फरवरी 2018
41	विमानन मौसम कार्यालय, अमृतसर	26 फरवरी 2018
42	मौसम केंद्र ,गंगटोक	26 फरवरी 2018
43	मौसम कार्यालय ,इंदौर	26 फरवरी 2018
44	चक्रवात चेतावनी केंद्र, विशाखापट्टनम	31 अक्तूबर 2018
45	मौसम केंद्र ,तिरूवनंतपुरम	31 अक्तूबर 2018

विभागीय द्विभाषी मैन्युअलों की सूची

क्र.सं.	मैन्युअल का नाम	प्रकाशन की तिथि
1.	आर्द्रतामापी सारणियां (1000 एम बी) HYGROMETRIC TABLES (1000 MB)	सूचना उपलब्ध नहीं है
2.	भारतीय वेधशालाओं की जलवायु विज्ञान संबंधी सारणियां CLIMATOLOGICAL TABLES OF OBSERVATORIES IN INDIA	अगस्त 1983
3.	वर्षा अभिलेखन (संशोधित) RAINFALL REGISTRATIONS (REVISED)	1981
4.	भारत मौसम विज्ञान विभाग के अंशकालिक प्रेक्षकों के लिए सेवा अनुदेश SERVICE INSTRUCTIONS FOR PART TIME OBSERVERS OF THE IMD	सूचना उपलब्ध नहीं है
5.	मौसम कोड 1955 (ब्रीफ) WEATHER CODES 1955 (BRIEF)	जनवरी 1965
6.	बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात तूफानों की पुस्तिका HANDBOOK OF CYCLONIC STORM IN THE BAY OF BENGAL	सितम्बर 1943
7.	तूफान चेतावनी संकेतों की संहिता (1956) CODES OF STORM WARNING SIGNALS (1956)	1956
8.	भारतीय समुद्र तटों पर पवन, मौसम और धाराओं और तूफानों के नियम WINDS, WEATHER AND CURRENTS ON THE COASTS OF INDIA AND LAWS OF STORMS	जुलाई 1941
9.	सतही वेधशालाओं के प्रेक्षकों के लिए अनुदेश खंड-1 INSTRUCTIONS TO THE OBSERVERS AT SURFACE OBSERVATORIES PART-1	जून 1987
10.	वाष्पनमापी पात्र श्रेणी 'क' के संस्थापन, उपयोग और देखभाल से संबंधित तकनीकी अनुदेश TECHNICAL INSTRUCTIONS FOR INSTALLATIONS, OPERATION AND MAINTENANCE OF GLASSAPAN EVAPORIMETER	जनवरी 1972
11.	उथली गहराइयों के लिए मृदा तापमापी SOIL THERMOMETER FOR SHALLOW DEPTHS	सूचना उपलब्ध नहीं है
12.	यू एस ए मानक वाष्पनमापी USA STANDARD EVAPORIMETER	सूचना उपलब्ध नहीं है
13.	स्वत: अभिलेखी उपकरणों के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश	जनवरी 1994

	INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF SELF RECORDING INSTRUMENTS	
14.	तापलेखी के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF THERMOGRAPH	जनवरी 1994
15.	केश आर्द्रता लेखी के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF HAIR HYGROGRAPH	जनवरी 1994
16.	फसल-मौसम वेधशाला स्थापित करने के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR SETTING UP A CROP WEATHER OBSERVATORY	06.07.2007
17.	विसरित सौर (आकाशीय) विकिरण के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF DIFFUSE SOLAR RADIATION	06.07.2007
18.	ओस दुवदेवानी ओस-मापी का माप MEASUREMENT OF DEW DUVDEVANI DEW GAUGE	06.07.2007
19.	भारात्मक लाइसीमीटर की स्थापना, रखरखाव और उपयोग के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR INSTALLATION, MAINTENANCE AND USE OF GRAVIMETRIC LYSIMETER.	06.07.2007
20.	वायुमापी और सुवाह्य पवन दिक्सूचक के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF AIRMETER AND PORTABLE WINDVANE	06.07.2007
21.	चक्रवात पुस्तिका अध्याय-3 CYCLONE MANUAL CHAPTER-3	06.07.2007
22.	धूप के अधिमान घंटों के तालिकाकरण के उपयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF THE TABULATION OF HOURLY VALUES OF SUNSHINE	06.07.2007
23.	बेलानी-गोलाकार-पाइरानोमीटर की संस्थापना, प्रचालन और रखरखाव के अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF BELLANI SPHERICAL PYRANOMETER.	06.07.2007
24.	नेट पिरेडियोमीटर के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF NET PYRADIOMETER	06.07.2007
25.	व्हिर्लिंग साइक्रोमीटर के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश (700 मि. बा. दाब) INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF WHIRLING PSYCHROMETER (700 m b pressure).	06.07.2007

26.	ऊपरी पवनों को सूचित करने के लिए कोड पायलट और नैफ कोड- 1968 CODES FOR REPORTING UPPER WINDS PILOT AND NEPH CODE-1968	06.07.2007
27.	डिजिटल परिशुद्ध एनीराइड वायुदाबमापी के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF DIGITAL PRECISION ANEROID BAROMETER	06.07.2007
28.	मासिक मौसम पंजिका में प्रविष्टियों के लिए निर्देश INSTRUCTIONS FOR MAKING ENTRIES IN MONTHLY METEOROLOGICAL REGISTER	06.07.2007
29.	चक्रवात संबंधी पुस्तिका अध्याय-2 CYCLONE MANUAL CHAPTER-2	06.07.2007
30.	पवन वेग, दिशा तथा पवन के झोंकेपन के घंटेवार मानों के सारणीकरण के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR TABULATION OF HOURLY VALUES OF THE SPEED, DIRECTION AND GUSTINESS OF WIND.	06.07.2007
31.	ऐसमान साइक्रोमीटर के प्रयोग और उसकी सुरक्षा के लिए अनुदेश(1000 मिलीबार दाब के लिए सारणियों सहित) INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF ASSMANN PSYCHROMETER (with tables for 1000 m b pressure.)	06.07.2007
32.	भू-तापमापियों के संस्थापन तथा प्रयोग के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF EARTH THERMOMETERS	06.07.2007
33.	एंगस्ट्रॉम प्रतिकारित सौर – विकिरणमापी के प्रयोग और देखरेख के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF ANGSTROM COMPENSATED PYRHELIOMETER.	06.07.2007
34.	उपरितन वायु रिपोर्ट के लिए कोड टेम्प कोड 1968 CODE FOR UPPER AIR REPORTS TEMP CODE 1968	06.07.2007
35.	मौसम वैज्ञानिक आँकड़े सप्लाई करने के अनुदेश INSTRUCTIONS FOR SUPPLY OF METEOROLOGICAL DATA	09.06.2008
36.	द्विधातुक पाइरैनोग्राफ के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF BIMETALLIC PYRANOGRAPH	09.06.2008
37.	स्वलिखित अभिलेखों से दबाव, तापक्रम, सापेक्ष आर्द्रता और वर्षा के घंटेवार मूल्यों के सारणीकरण के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE TABULATION OF HOURLY VALUES OF	09.06.2008

	PRESSURE, TEMPERATURE, RELATIVE HUMIDITY AND RAINFALL FROM AUTOGRAPHIC RECORDS.	
38.	पोत परिवहन, मत्स्य-ग्रहण नौकाओं तथा समुद्री उपयोग के लिए मौसम सेवाएँ WEATHER SERVICES TO SHIPPING, FISHING VESSELS AND MARINE INTERESTS	09.06.2008
39.	पार्थिव विकिरण न्यूनतम तापमापी अथवा ग्रास न्यूनतम तापमापी TERRESTRIAL RADIATION MINIMUM THERMOMETER OR GRASS MINIMUM THERMOMETER	09.06.2008
40.	व्हर्लिंग साइक्रोमीटर के शुष्क बल्ब व आर्द्र बल्ब के पाठ्यांकों से वाष्प दाब तथा सापेक्ष आर्द्रता का अभिकलन COMPUTATION OF THE VAPOUR PRESSURE AND RELATIVE HUMIDITY FROM THE DRY BULB AND WET BULB READINGS OF THE WHIRLING PSYCHROMETER.	09.06.2008
41.	दूरसूचक पवन मापी उपकरण के प्रयोग और अनुरक्षण के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF I.M.D. DISTANT INDICATING WIND EQUIPMENT.	09.06.2008
42.	चक्रवात संबंधी नियमपुस्तक अध्याय-4 CYCLONE MANUAL CHAPTER-4	09.06.2008
43.	ऐंग्स्ट्रॉम पाइर्जियोमीटर के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF ANGSTROM PYRGEOMETER	09.06.2008
44.	चक्रवात नियम-पुस्तिका अध्याय-1 CYCLONE MANUAL CHAPTER-1	09.06.2008
45.	बादल सर्चलाइट एलीडेड और क्लाइनोमीटर के उपयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF CLOUD SEARCHLIGHT ALIDADE AND CLINOMETER	09.06.2008
46.	विमानन मौसम संहिता 1981 AVIATION WEATHER CODES 1981	09.06.2008
47.	विमानन मौसम कोड 1994 AVIATION WEATHER CODES 1994	09.06.2008
48.	चक्रवात नियम पुस्तक अध्याय-5 CYCLONE MANUAL CHAPTER-5	27.07.2010

49.	विद्युत पवन लेखी के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF ELECTRICAL ANEMOGRAPH	27.07.2010
50.	एंगस्ट्रॉम-आविलता गुणांक β के निर्धारण के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF ANGSTROM TURBIDITY COEFFICIENT β	27.07.2010
51.	'क' श्रेणी के पात्र वाष्पीकरण मापी (जाली से ढका, स्थिर बिंदु प्रमापी) के संस्थापन, परिचालन तथा अनुरक्षण के लिए तकनीकी अनुदेश TECHNICAL INSTRUCTIONS FOR INSTALLATION, OPERATION AND MAINTENANCE OF CLASS A PAN EVAPORIMETER (MESH COVERED, FIXED POINT GUAGE)	27.07.2010
52.	भा.मौ.वि.वि. वायु फलिका एम.के.।। के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF IMD WINDVANE MK II	27.07.2010
53.	वायुदाब लेखी के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF BAROGRAPH	27.07.2010
54.	फोरटिन बैरोमीटर के उपयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF FORTIN BAROMETER	27.07.2010
55.	क्यू पद्धति समुद्री वायुदाब मापी के उपयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF KEW PATTERN MARINE BAROMETER	27.07.2010
56.	ताप विद्युत पायरेनोमीटर के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF THERMOELECTRIC PYRANOMETER	27.07.2010
57.	भारात्मक पद्धति द्वारा मृदा आर्द्रता का मूल्यांकन ESTIMATION OF SOIL MOISTURE BY THE GRAVIMETRIC METHOD	27.07.2010
58.	चक्रवात मैन्युअल अध्याय-6 CYCLONE MANUAL CHAPTER-6	27.07.2010
59.	पवन दिक्सूचक के प्रयोग और सुरक्षा के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF WINDVANE	27.07.2010
60.	आसमान साइक्रोमीटर के उपयोग एवं देखभाल के लिए अनुदेश INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF ASSMANN PSYCHROMETER	27.07.2010
61.	बैरोमीटरों की तुलना के प्रयोग एवं सुरक्षा के लिए अनुदेश	27.07.2010

	INSTRUCTIONS FOR THE USE AND CARE OF COMPARISION OF BAROMETER	
62.	समन्वित फसल-मौसम योजना के अन्तर्गत अन्वेषण हेतु चयनित फसलों के प्रमुख रोगों के आक्रमण के फैलाव एवं तीव्रता का आकलन ESTIMATION OF THE INCIDENCE AND INTENSITY OF ATTACK OF MAJOR DISEASES OF CROP SELECTED FOR INVESTIGATION UNDER THE COORDINATED CROP WEATHER SCHEME	27.07.2010
63.	जहाज मौसम कोड -1982 SHIP WEATHER CODE -1982	27.07.2010
64.	जल मौसम विज्ञान की नियम पुस्तक (भाग-1) MANUAL OF HYDROMETEOROLOGY (PART-1)	27.07.2010

मौसम विज्ञान शब्दावली के प्रेरणास्रोत

(प्रथम संस्करण)

मौसम विज्ञान की अंग्रेजी-हिंदी शब्दावली भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुख्यालय में तैयार की गई है । इसे तैयार करने के लिए विभाग में एक शब्दावली समिति का गठन किया गया था । इस शब्दावली समिति में निम्नलिखित व्यक्ति हैं : -

1.	डॉ. एस. एम. कुलश्रेष्ठ, निदेशक, रेडियो मौसम	अध्यक्ष
2.	श्री नूतन दास, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली	सदस्य
3.	श्री धनंजय कुमार मिश्र, निदेशक, उपग्रह मौसम	"
4.	श्री एच.एम.श्रीवास्तव, निदेशक ,भूकम्प मौसम विज्ञान	"
5.	श्री वी.पी.वर्मा, सहायक मौसम विज्ञानी, मौसम उपकरण	"
6.	श्री कुन्दन लाल, मौसम विज्ञानी	"
7.	श्री ए.एस.वर्मा, हिंदी अधिकारी	संयोजक

शब्दावली समिति में मौसम विज्ञान की लगभग सभी विषय शाखाओं से संबंधित तथा हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों को रखा गया था । शब्दावली समिति के सदस्यों ने अपनी कई बैठकों में विचार विमर्श करके प्रस्तुत शब्दावली को अंतिम रूप दिया है । यह शब्दावली शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय के वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा भी अनुमोदित है ।

मौसम विज्ञान की इस शब्दावली में अभी और भी बहुत से शब्दों को शामिल करने की गुंजाइश है । आशा है मौसम विज्ञान संबंधी सामग्री का अनुवाद करने वालों तथा हिंदी में लेख आदि लिखने वालों के लिए हिंदी पर्याय देने में यह प्रस्तुत रूप में भी काफी सहायक होगी । इसमें जो कमियाँ रह गई हैं उन्हें दूसरे संस्करण में दूर करने का प्रयास किया जाएगा ।

इसमें विभाग से संबंधित सभी कार्यालयों, अनुभागों तथा पदनामों और फाइलों में प्रायः लिखे जाने वाले वाक्यांशों के हिंदी पर्याय भी शामिल किए गए हैं । इनसे हिंदी में नोट तथा मसौदा लिखने के लिए काफी सहायता मिलेगी ।

इस शब्दावली को तैयार करने में शब्दावली समिति के अध्यक्ष डॉ.एस.एम.कुलश्रेष्ठ समिति के सब सदस्यों तथा हिंदी अनुभाग के कर्मचारियों का प्रयास सराहनीय है ।

इस शब्दावली को और अच्छा बनाने के संबंध में जो सुझाव प्राप्त होंगे उनका स्वागत किया जाएगा ।

पी.के.दास
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली, 1 अप्रैल 1980

प्राक्कथन

(द्वितीय संस्करण)

भारत मौसम विज्ञान विभाग का कार्य वैज्ञानिक तथा तकनीकी प्रकार का है । मौसम विज्ञान संबंधी अधिकांश ग्रंथ, शोधपत्र तथा अन्य सामग्री आदि अंग्रेजी में उपलब्ध है । वैज्ञानिक विषयों पर पुस्तकें व शोधपत्र शोधकर्ताओं द्वारा प्रायः अँग्रेजी में ही लिखे जाते हैं । इसका एक मुख्य कारण अँग्रेजी के वैज्ञानिक व तकनीकी शब्दों के हिंदी पर्यायों का अभाव व दुर्लभता बताया जाता है । इस अभाव को दूर करने व हिंदी पर्याय सुलभ बनाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा मौसम विज्ञान की एक संक्षिप्त - अँग्रेजी-हिंदी शब्दावली 1980 में प्रकाशित की गई, जिसमें मौसम विज्ञान तथा इससे संबंधित विभिन्न विषयों जैसे, दूरसंचार, भूकम्प विज्ञान, मौसम पूर्वानुमान, जल मौसम विज्ञान, उपग्रह मौसम विज्ञान, मौसम उपकरण तथा विमानन मौसम विज्ञान आदि के तकनीकी शब्दों के हिंदी पर्याय एक स्थान पर उपलब्ध कराने की प्रारंभिक चेष्टा की गई । इस शब्दावली में तकनीकी शब्दों की संख्या केवल 1632 थी ।

मौसम विज्ञान की इस संक्षिप्त शब्दावली में विस्तार एवं संशोधन करने के लिए 1983 में एक विभागीय शब्दावली समिति का पुनर्गठन किया गया । पुनर्गठित समिति के अध्यक्षों, सदस्यों तथा अन्य सहयोगियों का विवरण उनके कार्यकाल की अवधि सहित अगले पृष्ठ पर दिया गया है । इस समिति ने अपने सतत् प्रयास से कई बैठकों में विचार विमर्श करके मौसम विज्ञान के सभी विषयों के अधिक से अधिक तकनीकी शब्दों के उपयुक्त हिंदी पर्यायों का संकलन कर प्रस्तुत शब्दावली को संशोधित एवं परिवर्धित रूप दिया है । इसमें तकनीकी शब्दों की संख्या पाँच हजार के लगभग है ।

प्रशासनिक कार्य करने वाले व्यक्तियों की सुविधा के लिए सामान्य रूप से प्रयोग में आने वाले प्रशासनिक शब्दों के हिंदी पर्याय परिशिष्ट "क" में शामिल किए गए हैं ।

नोट व मसौदा लेखन में आमतौर से प्रयोग में आने वाले वाक्यांशों तथा वाक्यों के हिंदी पर्याय परिशिष्ट "ख" में दिए गये हैं । इससे फाइलों पर हिंदी में टिप्पणी आदि व मसौदा लिखने में सहायता मिलेगी ।

सरकारी टिप्पणियों और पत्र-व्यवहार में अंग्रेजी से भिन्न भाषाओं के सामान्य प्रयुक्त पद शब्दों उनके हिंदी पर्यायों सहित परिशिष्ट "ग" में दिए गए हैं ।

शब्दावली के अंत में परिशिष्ट "घ" में भारत मौसम विज्ञान विभाग में प्रयुक्त पदनामों तथा परिशिष्ट "च" में विभाग के कार्यालयों के नाम भी द्विभाषी रूप में दिए गए हैं ताकि इनके प्रयोग में एकरूपता रहे ।

इस शब्दावली को वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग के अनुमोदन से प्रकाशित किया जा रहा है ।

आशा है मौसम विज्ञान संबंधी तकनीकी विषयों पर हिंदी में काम करने वाले व्यक्तियों, अनुवादकों, लेखकों तथा शोधकर्ताओं व प्रशासनिक कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए यह शब्दावली उपयोगी व सहायक सिद्ध होगी ।

इस शब्दावली को और अच्छा एवं उपयोगी बनाने के संबंध में सुझावों का स्वागत है ।

शशि मोहन कुलश्रेष्ठ
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली,
15 मई, 1990
25 वैशाख, 1912 शक ।

(पाँच)

2—587 IMD/2004

तृतीय संस्करण की भूमिका

मौसम विज्ञान शब्दावली का संक्षिप्त प्रथम संस्करण 1980 में प्रकाशित हुआ था । शब्दावली के प्रथम संस्करण के शब्दों की संख्या तब केवल 1632 थी । विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रही उत्तरोत्तर प्रगति के फलस्वरूप मौसम विज्ञान से संबंधित विषयों में भी लगातार नए-नए शब्दों का प्रयोग बढ़ने से प्रथम संस्करण को संशोधित करने की आवश्यकता महसूस की गई । इस शब्दावली का द्वितीय संस्करण मौसम विज्ञान के तत्कालीन महानिदेशक डॉ.शशि मोहन कुलश्रेष्ठ की देखरेख में नवीनतम वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों का समावेश करते हुए 1990 में प्रकाशित हुआ । नए शब्दों के समावेशन के फलस्वरूप शब्दावली के द्वितीय संस्करण में शब्दों की कुल संख्या 5000 के लगभग थी ।

विज्ञान की प्रगति के चरणों में उत्तरोत्तर वृद्धि के परिणास्वरूप सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति आने के साथ-साथ मौसम विज्ञान से-जुड़े विषयों में भी नवीनतम शब्दों का अनायास ही समावेशन लगातार होता रहा है । भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के महत्वपूर्ण पहलू को ध्यान में रखते हुए विभिन्न भाषाओं के नवीनतम शब्दों के हिंदी पर्याय की लगातार माँग भी बढ़ती रही है । हिंदी पर्यायों की बढ़ती हुई माँग की पूर्ति के लिए मौसम विज्ञान शब्दावली के संशोधन का कार्य भी आरंभ किया गया । तदनुसार शब्दावली के द्वितीय संस्करण में समय की माँग के अनुसार संशोधन करने एवं नए शब्दों के समावेशन के लिए मौसम विज्ञान के तत्कालीन महानिदेशक डॉ. आर.आर.केलकर ने पूर्व महानिदेशक डॉ. शशि मोहन कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया । उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने शब्दों के संशोधन एवं समावेशन के कार्य के महत्व को स्वीकार करते हुए मौसम विज्ञान शब्दावली की समीक्षा के लिए तत्कालीन मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक डॉ.आर.के.दुबे (प्रादेशिक मौसम केंद्र, नई दिल्ली) की अध्यक्षता में एक कार्यकारी समिति का गठन किया । इस प्रकार से तृतीय संस्करण के प्रकाशन की कार्रवाई 1999 से निरंतर चलने के उपरांत इस संस्करण की पाण्डुलपि 2003 में तैयार हो सकी । पाण्डुलिपि का लेज़र प्रिंट मैसर्स शुभम् डिजाइनर ने तैयार किया जिसके आधार पर भारत सरकार, मुद्रण निदेशालय, 'बी' खण्ड, निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा यह संस्करण प्रकाशित किया गया है ।

विभाग के मुख्यालय के हिंदी अनुभाग एवं कार्यकारी समिति के सदस्यों के अथक प्रयासों एवं उच्चाधिकार प्राप्त समिति के बहुमूल्य योगदान के फलस्वरूप प्रकाशित मौसम विज्ञान शब्दावली का तृतीय संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस शब्दावली की सहायता से विभाग के कार्मिक कार्यालय का अपना दैनिक कार्य राजभाषा हिंदी में करने में अधिक कठिनाई अनुभव नहीं करेंगे जिससे विभाग में हिंदी के वास्तविक प्रचार प्रसार में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी ।

बी.लाल
मौसम विज्ञान के अपरमहानिदेशक

नई दिल्ली,
5 जनवरी 2005
15 पौष 1926 शक

(दो)

मौसम मंजूषा व अन्य पुस्तिकाओं का सफर

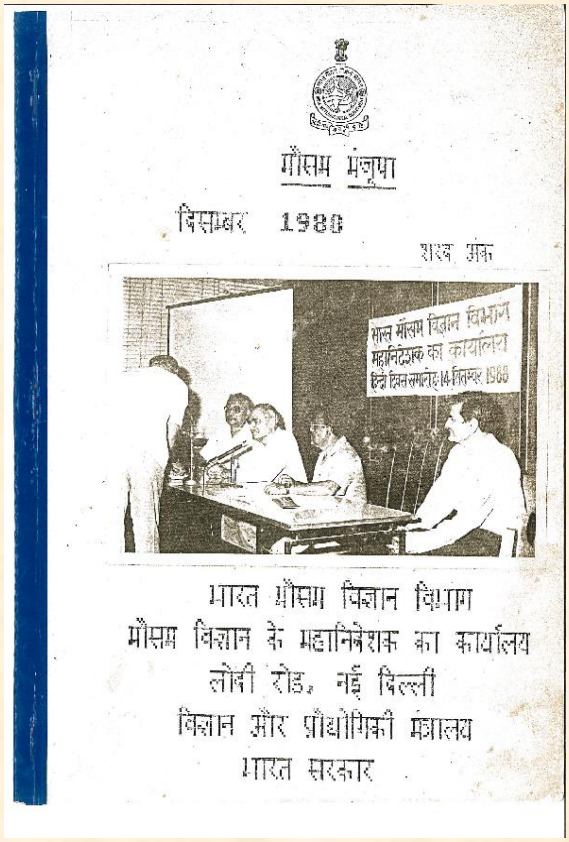

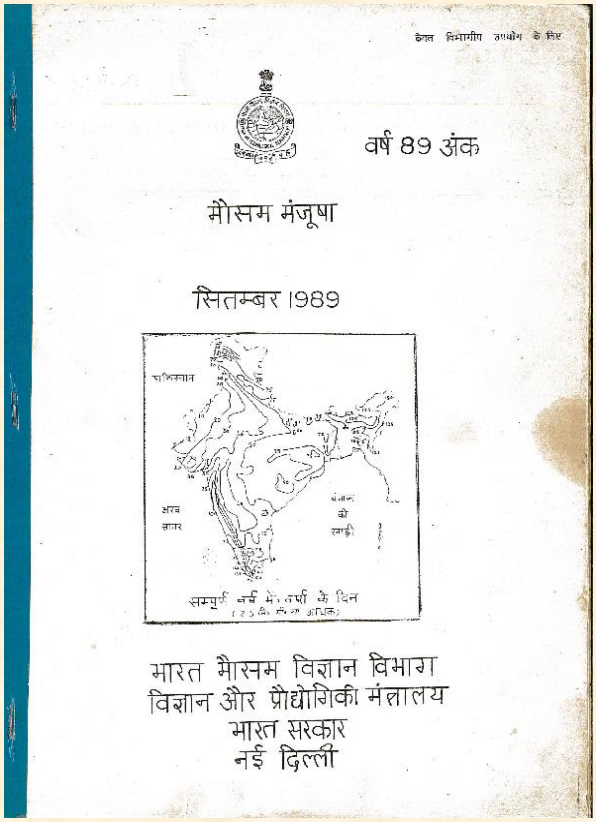

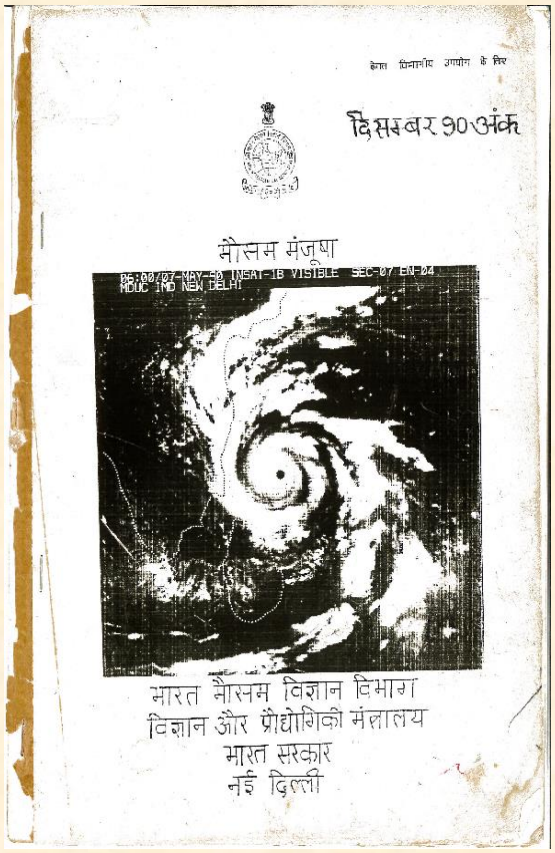

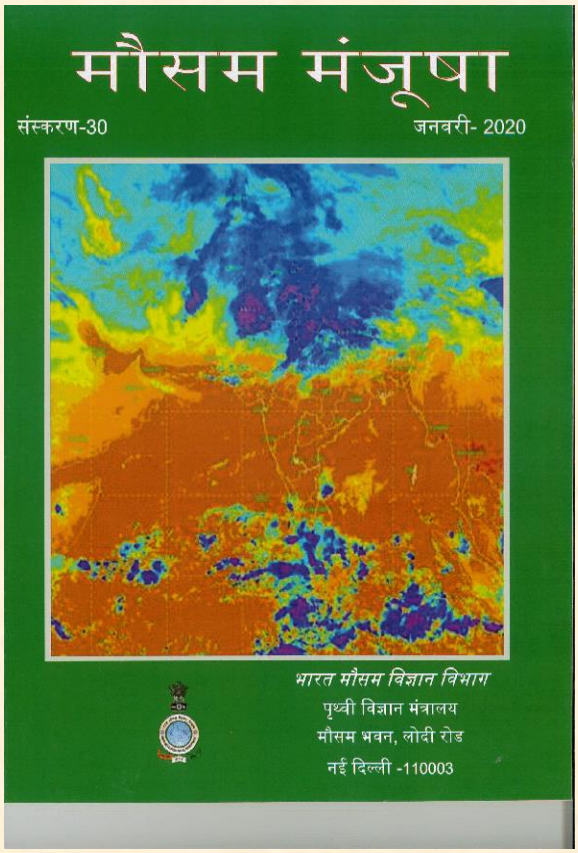

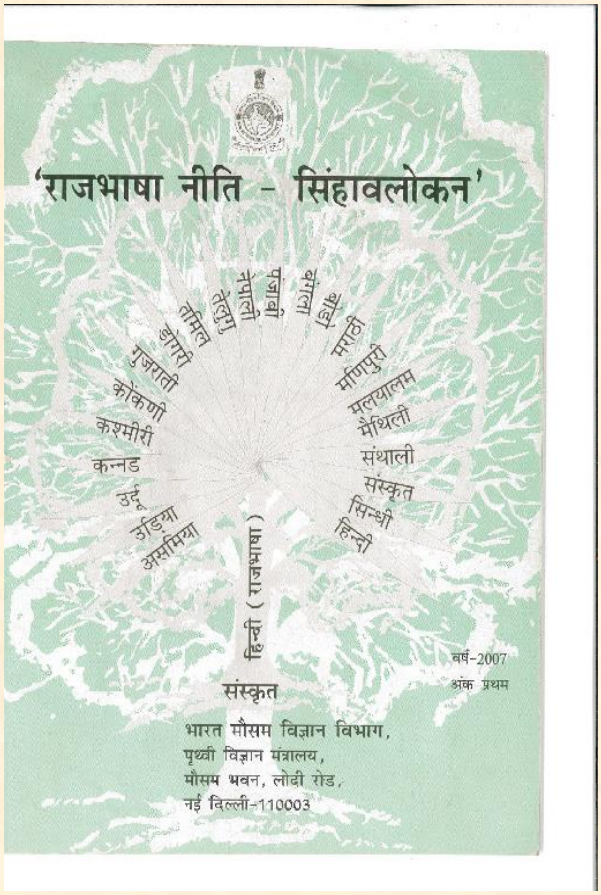
'राजभाषा नीति - सिंहावलोकन'
हिन्दी (राजभाषा)
वर्ष-2007
अंक प्रथम
संस्कृत
भारत मौसम विज्ञान विभाग,
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,
मौसम भवन, लोदी रोड,
नई दिल्ली-110003

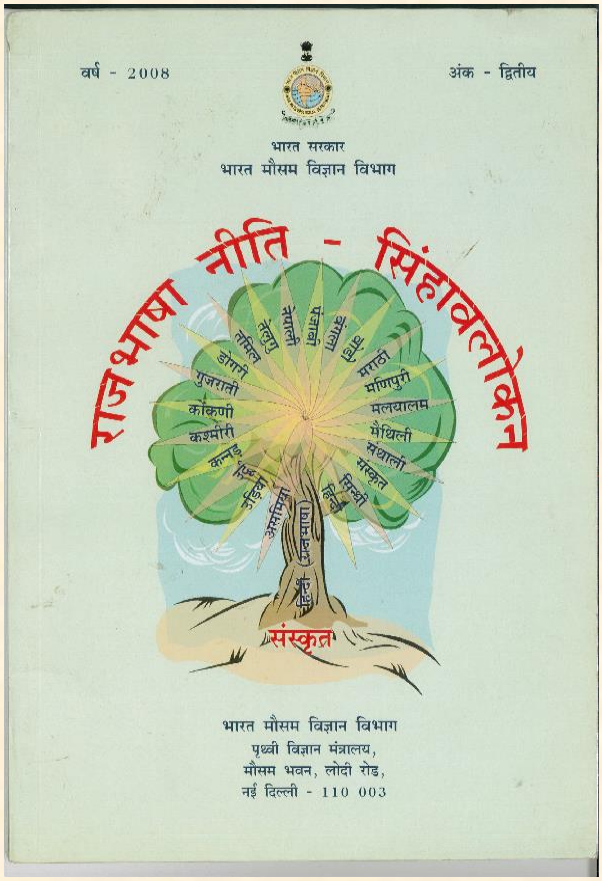
वर्ष - 2008
अंक - द्वितीय
भारत सरकार
भारत मौसम विज्ञान विभाग
राजभाषा नीति - सिंहावलोकन
संस्कृत
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,
मौसम भवन, लोदी रोड,
नई दिल्ली - 110 003

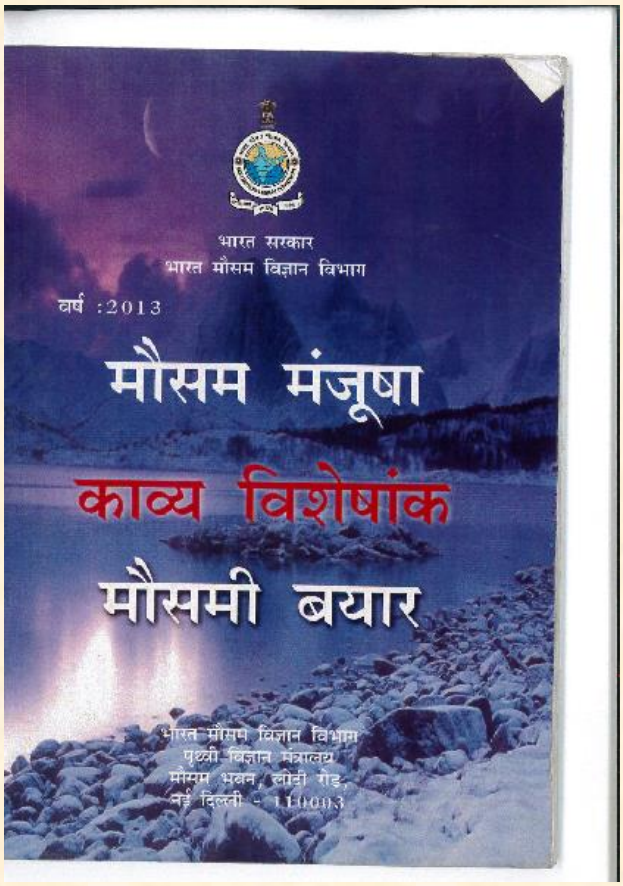
भारत सरकार
भारत मौसम विज्ञान विभाग
वर्ष :2013
मौसम मंजूषा
काव्य विशेषांक
मौसमी बयार
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम भवन, लोदी रोड,
नई दिल्ली - 110003

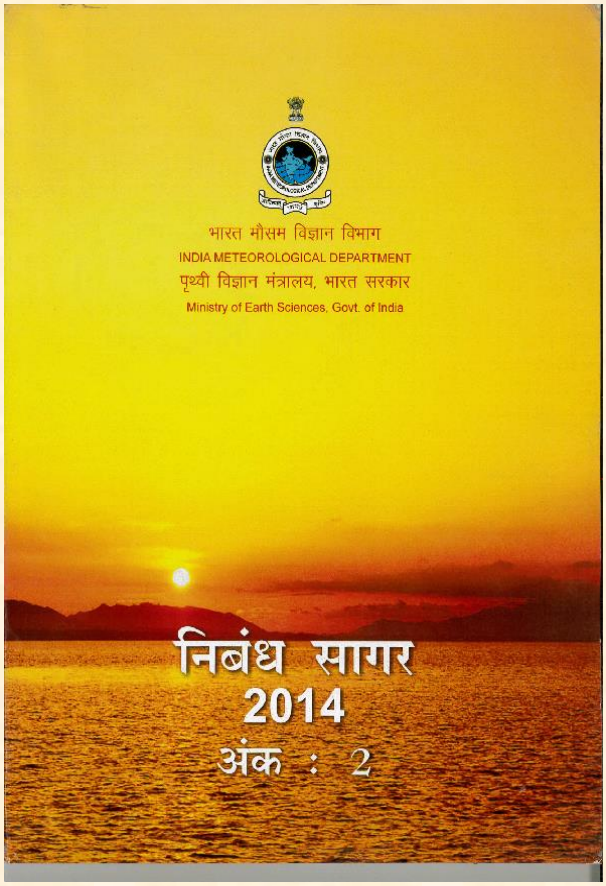
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Earth Sciences, Govt. of India
निबंध सागर
2014
अंक : 2

राजभाषा स्मारिका

प्रकाशक

राजभाषा अनुभाग

भारत मौसम विज्ञान विभाग

लोदी रोड, नई दिल्ली- 110003